संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-22 अंक- 208
पृष्ठ 8
शनिवार
18 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में है कुछ मीठा खाने...

विचार- नए ऐतिहासिक मोड़ पर न्यायपालिका..

खेल- अजेय चल रही पंजाब किंग्स...

**जनता दर्शन में 200 लोगों की सुनी समस्या**

## जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारी :मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन, शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी। शुक्रवार सुबह

गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी बातें सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लेकर उसका अवलोकन कर समस्याध शिकायत का संज्ञान लिया। फिर, अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह शुक्रवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्धा कराएगी। कुछ महिलाओं ने आवास की समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध कराने को संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी पात्र लोग पक्के आवास की सुविधा से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए।

**संसद में राहुल के बयान पर हंगामा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले-**

## देश से माफी मांगें, ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन से जुड़े तीन संशोधित विधेयकों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के एक बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। राहुल के बयान पर सत्ताधारी दल के सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसके बाद सदन में शोर-शराबा और नारेबाजी शुरू हो गई। उन्होंने सरकार से 2023 के महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा लाने की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष इसे तुरंत लागू कराने में पूरा सहयोग देगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सत्ता और प्रतिनिधित्व देने से बचने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यही सरकार की वास्तविक मंशा प्रतीत होती है। राहुल गांधी ने कहा, श्मैं वापस गार्डन वाली कहानी सुनाता हूं। दादी ने कहा था कि सुनो राहुल मैं चाहती हूं कि तुम अंधेरे में देखना सीखो। अंधेरा में ही असली ताकत है। यह बढ़िया पॉलिटिकल लेशन है। जो असली ताकत होती है वो छिप कर काम करती है अपने आप को दिखाती नहीं है। मैं यह इसलिए बता रहा हूं कि सभी जानते हैं एक पार्टनरशिप हमारे जादूगर और बिजनेसमैन के बीच है।श इस पर एनडीए सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। राहुल ने कहा- मैं पीएम का नाम नहीं ले रहा हूं। मैंने पीएम का नाम नहीं लिया। सर यह पार्टनरशिप मजबूत है, लेकिन छिपी है। जादूगर के पूरे इतिहास में यह ताकत छिपी है। जबसे वे यहां आए तब से यह चल रहा है। भाजपा जानती है कि यह बिल पास नहीं हो सकता। वे इतने बेवकूफ नहीं है वे जानते हैं। इसीलिए उन्होंने चुनावी नक्शा बदलने के लिए महिला आरक्षण का सहारा लिया। सच यह है कि जादूगर पकड़ा गया है। ऑपरेशन सिंदूर, नोटबंदी का जादूगर पकड़ा गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे प्रधानमंत्री और देश की गरिमा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना अनुचित है और इसकी घोर निंदा की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे नेता को इस तरह के शब्दों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के चुने हुए नेता हैं और उनके प्रति सम्मान बनाए रखना जरूरी है। विवाद बढ़ने पर लोकसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप किया और राहुल गांधी के भाषण के कुछ अंशों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। रिजिजू ने कहा कि उन्हें पूरे भाषण से आपत्ति नहीं है, लेकिन कुछ टिप्पणियां अनुचित हैं और नियमों के खिलाफ हैं। रक्षामंत्री ने कहा है हम भी कह रहे हैं भाषण नियम के तहत दीजिए। बार-बार पीएम का मजाक उड़ाना गलत। पीएम आपका और मेरा नहीं है। इस बीच, राहुल गांधी ने दोबारा बोलने की कोशिश की और कहा कि मौजूदा स्थिति में सत्तारूढ़ दल के भीतर ही भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, बढ़ते शोर-शराबे के चलते स्पीकर ने उन्हें बैठने के लिए कहा।

### डिंपल यादव का बीजेपी पर हमला, महिला आरक्षण 'मुखौटा', असली मकसद परिसीमन से सत्ता मजबूत करना

नयी दिल्ली,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला आरक्षण का मुखौटा पहनकर परिसीमन के जरिये खुद को सशक्त बनाना चाहती है। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित श्संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि सरकार विधेयक को लेकर जल्दबाजी दिखा रही है क्योंकि वह जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन नहीं चाहती। डिंपल ने कहा, सपा चाहती है कि इसमें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और अल्पसंख्यक महिलाओं को भी अलग से आरक्षण मिले...। सपा सांसद ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जाति जनगणना के आंकड़े सामने आने से पहले, 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा 2023 में महिला आरक्षण विधेयक लेकर आई तो उसकी सरकार पूर्ण बहुमत से सहयोगियों के भरोसे हो गई और अब वह दोबारा यह विधेयक लेकर आई है तो 2029 में उसकी सरकार जाने वाली है। डिंपल ने सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाया, आप महिला आरक्षण का मुखौटा पहने हुए हैं और परिसीमन से अपने आप को सशक्त करना चाहते हैं।

### पानीपत के हैंडलूम फैक्ट्री में भीषण आग, कई दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पानीपत,एजेंसी। हरियाणा के पानीपत में शुक्रवार सुबह एक हैंडलूम फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। यह घटना सेक्टर-25 पार्ट-2 स्थित जेके हैंडलूम्स प्राइवेट लिमिटेड में करीब सुबह 7रू30 बजे हुई। आग सबसे पहले फैक्ट्री की ऊपरी मंजिल में लगी, लेकिन कुछ ही समय में इसने विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते पूरे इलाके में काला धुआं फैल गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही पानीपत, बापौली, मतलौड़ा और समालखा से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। इस दौरान फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों ने तैयार और कच्चे माल को बचाने की कोशिश की। फैक्ट्री मालिक ने डायल-112 पर सूचना देकर दमकल विभाग को बुलाया। दमकल कर्मी अमित कुमार ने बताया कि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है और सभी फायर स्टेशन से टीमें समय पर मौके पर पहुंच गई थीं।

### वाराणसी में झंडे के विवाद को लेकर पथराव, एसीपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी में चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में बाबा बटुक भैरवनाथ मंदिर (धाम) के मुख्य द्वार पर झंडा लगाने को लेकर चल रहे विवाद ने शुक्रवार को उग्र रूप ले लिया। दूसरे दिन भी लोग सड़क पर उतर आए और सड़क जाम कर जोरदार नारेबाजी तथा प्रदर्शन करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पुलिस के पहुंचते ही भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। इसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना समेत कई अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) शिवहरि मीणा, डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, सारनाथ थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और बल मौके पर मौजूद हैं। कल अंबेडकर जी से जुड़ा झंडा उतारने और उसे क्षति पहुंचाने को लेकर काफी देर तक विवाद चला था। मंदिर के गेट पर तथा गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी।

## राज्यसभा में खुलकर बोले राघव चड्ढा अपनी ही पार्टी पर कसा तंज, कहा-मैं हटाया गया उपनेता हूं

नयी दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा और उनकी पार्टी के बीच हाल ही में हुआ विवाद अब खुलकर राज्यसभा तक पहुंच गया। शुक्रवार को राज्यसभा में बोलते हुए राघव चड्ढा ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर तीखा तंज कसा। हाल ही में उन्हें पार्टी द्वारा राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उन पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से मिले होने के आरोप भी लगाए गए हैं। उन्होने कहा कि मैं हटाया गया उपनेता हूं और मौजूद हूं। 17 अप्रैल को हरिवंश नारायण सिंह के लगातार तीसरी बार निर्विरोध राज्यसभा के उपसभापति चुने जाने पर बधाई देने के लिए राघव चड्ढा सदन में खड़े हुए थे। इसी दौरान उन्होंने आप नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने कहा-मैं जिस पार्टी से आता हूं, उसके नेता (संजय सिंह) सदन में मौजूद नहीं हैं। मेरी ही पार्टी के नवनियुक्त उपनेता (अशोक कुमार मित्तल) भी सदन में मौजूद नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए कहा- मैं हाल ही में हटाया गया उपनेता हूं और मैं सदन में मौजूद हूं। मुझे बोलने का अवसर देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। चड्ढा ने अपने भाषण में सदन के पदाधिकारियों की जमकर तारीफ की। चड्ढा ने कहा कि उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के साथ उनका निजी रिश्ता खट्टा-मीठा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यकाल में यह रिश्ता पूरी तरह से मीठा हो जाएगा और भविष्य में उन्हें बोलने के लिए एक-दो मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा। चड्ढा ने सभापति व उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की भी तारीफ करते हुए कहा कि उनके आने के बाद से शून्य काल में अब 5-6 सदस्यों की बजाय 15-20 सदस्यों को बोलने का मौका मिलता है। 2 अप्रैल को आप ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटा दिया और उनकी जगह पंजाब से ही सांसद अशोक मित्तल को नियुक्त कर दिया। वर्तमान में आप के राज्यसभा में 10 सांसद हैं। 7 पंजाब से और 3 दिल्ली से। लोकसभा में पंजाब से 3 सांसद हैं।पार्टी के इस कदम के बाद चड्ढा ने आक्रामक रुख अपना लिया। 2 अप्रैल को उन्होंने एक्य पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना। 6 अप्रैल को इंस्टाग्राम पोस्ट पर उन्होंने बिना नाम लिए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधते हुए अमेरिकी लेखक रॉबर्ट ग्रीन की किताब का जिक्र किया। उन्होंने लिखारू इस हफ्ते किसी ने मुझे एक किताब गिफ्ट की.. . मैंने पहला चौप्टर खोला-नेवर आउटशाइन द मास्टर (यानी, अपने बॉस या मालिक से ज्यादा चमकने की कोशिश मत करो)। कुछ किताबें बिल्कुल सही वक्त पर आती हैं।

**राहुल के जादूगर बयान पर कंगना का पलटवार, बोलीं-**

## बचपन के सदमे से गुजर रहे हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर उनके संसद में दिए गए जादू वाले बयान को लेकर निशाना साधा और इसे सिरदर्द बताया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता अपने बचपन में देखे गए जादू के शो के कारण किसी मानसिक आघात से गुजर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए रनौत ने कहा कि उनकी बातें सुनना बहुत सिरदर्द था। वे अपने बचपन के आघात और उस जादू के शो के कारण परेशान हैं जो उन्होंने बचपन में देखा था। यह बहुत कष्टदायक था। अध्यक्ष ने भी उन्हें रुकने के लिए कहा। उन्होंने संसद का मजाक उड़ाया है। महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में बहस के दौरान गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जादूगर कहा, इस टिप्पणी से निचले सदन में हंगामा मच गया। गांधी ने कहा कि आप (भाजपा) जो कर रहे हैं, वह देश की राजनीति में हो रही उथल-पुथल से डरे हुए हैं, अपनी शक्ति के क्षरण से डरे हुए हैं, और भारत के राजनीतिक मानचित्र को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। आपने असम और जम्मू-कश्मीर में ऐसा किया, और अब सोच रहे हैं कि आप पूरे भारत में ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए आपको संविधान में संशोधन की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि सच तो यह है कि जादूगर पकड़ा गया है। बालाकोट का जादूगर, नोटबंदी का जादूगर, सिंदूर का जादूगर अचानक पकड़ा गया है। हर कोई जानता है कि हमारे मित्र, जादूगर और व्यापारी के बीच मिलीभगत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री के लिए गलत भाषा का प्रयोग कर रहे हैं ।

### पश्चिम बंगाल में देवेंद्र फडणवीस की हुंकार, बोले- डर के आगे जीत है, अब बदलाव निश्चित

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि लोग 15 साल पुरानी तृणमूल कांग्रेस सरकार से बदलाव चाहते हैं। देवेंद्र फडणवीस अभी पश्चिम बंगाल में हैं, जहाँ वे 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनावों से पहले, आखिरी हफ्ते में अपनी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने एएनआई से कहा, इस बार, बंगाल के लोग सिर्फ अपने दिल की आवाज सुनेंगे। उनके दिल की आवाज कहती है कि पश्चिम बंगाल में बदलाव होना चाहिए। 2021 में भी वे यही कहते थे, लेकिन उस समय उनके मन में डर था। लेकिन अब बंगाल जानता है कि श्डर के आगे जीत है। बदलाव जरूर होगा, और राज्य में बीजेपी सत्ता में आएगी। बीजेपी के अवैध घुसपैठ-विरोधी चुनावी मुद्दे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बीजेपी सरकार पश्चिम बंगाल से राष्ट्र-विरोधी ताकतों को हटा देगी। यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है। जिस तरह ममता बनर्जी सरकार ने घुसपैठियों को लाकर राज्य की आबादी का ढांचा बदल दिया, ताकि सरकार न बदले, वह देश के लिए खतरनाक है। घुसपैठिए देश में सिर्फ अपने गुजारे के लिए आते हैं, और उनका हमारे देश के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। हमें उन्हें बाहर निकालना होगा।

## बांग्ला-विरोधी जमींदार हैं-ममता बनर्जी

कोलकाता,एजेंसी। पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (AITC) की चेयरपर्सन और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को उस पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसे वह बांग्ला विरोधी भारतीय जनता पार्टी कहती हैं। कूच बिहार जिले की अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए, सीएम बनर्जी ने बंगाल की रक्षा करने, लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और इसकी धर्मनिरपेक्ष बनावट को बनाए रखने के लिए लड़ने का संकल्प लिया। जब तक मैं खड़ी हूँ, मैं इन बांग्ला-विरोधी जमींदारों को इस धरती के लोगों पर कोई भी दुख या तकलीफ नहीं पहुँचाने दूँगी। मैं बंगाल की रक्षा के लिए लड़ूँगी, उन लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखूँगी जिनकी सेवा के लिए मैं चुनी गई हूँ, इस खूबसूरत राज्य के भविष्य को सुरक्षित करूँगी, और हमारी धर्मनिरपेक्ष बनावट और समावेशी भावना को हर उस ताकत से बचाऊँगी जो इसे तोड़ने की कोशिश करती है। उनकी पोस्ट में आगे कहा गया लेकिन मुझे आपकी जरूरत अपने पास है, जैसा कि आप हमेशा से रहे हैं। अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि वे अपनी विचारधारा पर हमेशा कायम रही हैं, और उन्होंने इस यात्रा का हर कदम लोगों के साथ मिलकर तय किया है। उनकी पोस्ट में आगे कहा गया कि छात्र राजनीति के दिनों से लेकर मुख्यमंत्री के तौर पर तीन कार्यकाल तक, मैंने इस यात्रा का हर कदम लोगों के साथ मिलकर तय किया है। यह कभी नहीं बदला। और न ही कभी बदलेगा। मेरे जीवन में श्माँ, माटी, मानुषश के बीच रहने से बढ़कर कोई खुशी नहीं है। आप ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। ममता दीदी ने टीएमसी के कई उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार किया था, जिनमें माथाभंगा से सबलू बर्मन, शीतलकुची से हरिहर दास, कूचबिहार दक्षिण से अभिजीत दे भौमिक (हिप्पी), अलीपुरद्वार से सुमन कांजीलाल, कालचीनी से बीरेंद्र बारा, कुमारग्राम से राजीव तिर्की, फलाकाटा से सुभाष चंद्र रॉय, मदारीहाट से जयप्रकाश टोप्पो, दिनहाटा से उदयन गुहा और सिताई से संगीता रॉय बसुनिया शामिल थे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। राज्य में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस-जो लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है - और भाजपा के बीच एक जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगाय भाजपा पिछले चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद इस बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

## केवल सिविल कोर्ट ही सुलझा सकता है बीएचएस और जीएचएस स्कूल के प्रबंधन का विवाद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बॉयज हाईस्कूल (बीएचएस) और गर्ल्स हाईस्कूल (जीएचएस) के प्रबंधन और नियंत्रक के दशकों पुराने मामले पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बॉयज हाईस्कूल (बीएचएस) और गर्ल्स हाईस्कूल (जीएचएस) के प्रबंधन और नियंत्रक के दशकों पुराने मामले पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने जॉन ऑगस्टीन की ओर से दायर विशेष अपील सहित नौ अन्य अपीलों पर फैसला सुनाया।

कोर्ट कहा कि चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएनआई) और चर्च ऑफ इंडिया, पाकिस्तान, बर्मा और सीलोन (सीआईपीबीसी) के बीच का विवाद केवल सक्षम सिविल कोर्ट के माध्यम से ही सुलझाया जा सकता है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि 1970 में चर्चों का विलय हुआ या नहीं, कौन व्यक्ति कानूनी रूप से बिशप है। यह तय करने की शक्ति रजिस्ट्रार के पास नहीं है।

कोर्ट ने बीएचएस व जीएचएस स्कूलों के बैंक खातों का संचालन प्रधानाचार्य और जिलाधिकारी की ओर से नामित एडीएम स्तर के अधिकारी की ओर से संयुक्त रूप से करने का आदेश दिया है। सक्षम सिविल न्यायालय के अंतिम या अंतरिम आदेश पारित होने तक यह व्यवस्था जारी रहेगी। साथ ही कोर्ट ने एकल पीठ की ओर से पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति उमेश कुमार को पर्यवेक्षक बनाए जाने के आदेश को भी रद्द कर दिया। बता दें कि याची जॉन ऑगस्टीन ने विशेष अपील दायर कर इलाहाबाद हाईस्कूल सोसाइटी व संस्थानों का नियंत्रण देने की प्रार्थना की थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मालिकाना हक और बिशप की नियुक्ति की वैधता जैसे मुद्दों पर फैसला साक्ष्य के आधार पर केवल सिविल कोर्ट ही कर सकता है।

## गबन में फंसे दो ग्राम पंचायत सचिव, अनियमित भुगतान में पाए गए दोषी

प्रयागराज। मनरेगा में पांच साल पुराने गबन के मामले में जिला पंचायत राज अधिकारी रवि शंकर द्विवेदी ने दो तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिवों के खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। मनरेगा में पांच साल पुराने गबन के मामले में जिला पंचायत राज अधिकारी रवि शंकर द्विवेदी ने दो तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिवों के खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। मामला वर्ष 2020 में सामने आया था, जब शिकायत दर्ज कराई गई थी कि विकास खंड कोरांव में मनरेगा के तहत बिना कार्य कराए धनराशि आहरित कर वित्तीय अनियमितता की गई।

इस पर उपायुक्त (श्रम रोजगार) ने नौ फरवरी 2021 को पत्र जारी कर खंड विकास अधिकारी, कोरांव को शिकायत की जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। विकास अधिकारी ने त्रिस्तरीय जांच समिति गठित कर दी थी। जांच में बिना कार्य किए 10 जॉब कार्डधारकों के खाते में 35,308 रुपये की शासकीय धनराशि का अनियमित भुगतान पाया गया था। साथ ही धनराशि की वसूली एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति की गई थी। धनराशि वापस जमा न किए जाने पर अब जिला पंचायत राज अधिकारी ने तत्कालीन ग्राम सचिव राजेश सिंह व समरजीत कैथल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

## हाईकोर्ट ने बरकरार रखी दोषी की उम्रकैद, मृत्युपूर्व बयान को माना ठोस आधार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा में छात्रा को जिंदा जलाने के मामले में दोषी की अपील को सिरे से खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी छात्रा को जिंदा जलाना न केवल अत्यंत क्रूर है, बल्कि समाज के विरुद्ध एक जघन्य अपराध है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा में छात्रा को जिंदा जलाने के मामले में दोषी की अपील को सिरे से खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी छात्रा को जिंदा जलाना न केवल अत्यंत क्रूर है, बल्कि समाज के विरुद्ध एक जघन्य अपराध है। न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति डॉ. अजय कुमार की खंडपीठ ने ट्रायल कोर्ट की ओर से अभियुक्त आशीष उर्फ आशिक को दी गई उम्रकैद की सजा और जुर्माने के फैसले को सही ठहराते हुए इसे बरकरार रखा।

मामला वर्ष 2008 का है, जब स्कूल में पढ़ने वाली मात्र 16 वर्षीय छात्रा पर आशीष ने तेल डालकर उसे जिंदा जला दिया था। गंभीर रूप से झुलसी छात्रा ने दम तोड़ने से पहले अपने बयान में आरोपी का स्पष्ट नाम लिया था। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में मृतका के मृत्युपूर्व बयान को सबसे विश्वसनीय साक्ष्य माना। अदालत ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरों के प्रमाणन से यह सिद्ध होता है कि पीड़िता बयान देते समय पूरी तरह होश में थी। अदालत ने बचाव पक्ष के उन तर्कों को भी खारिज कर दिया, जिसमें आरोपी के नाम को लेकर भ्रम पैदा करने की कोशिश की गई थी। कोर्ट ने माना कि एफआईआर में दर्ज आशिक और आशीष एक ही व्यक्ति है। हालांकि, आरोपी के 17 साल से जेल में होने के तथ्य को देखते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि उसकी सजा में राहत की अर्जी पर दो महीने के भीतर विचार कर निर्णय लिया जाए।

## सिविल लाइंस के रेस्टोरेंट में लगी आग महिलाएं फंसीं, युवती का हाथ झुलसा

प्रयागराज। सिविल लाइंस के एल्गिन रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में बृहस्पतिवार को अचानक आग लग गई। आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया और बगल के एक योगा सेंटर तक पहुंच गई। सिविल लाइंस के एल्गिन रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में बृहस्पतिवार को अचानक आग लग गई। आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया और बगल के एक योगा सेंटर तक पहुंच गई। इससे वहां मौजूद करीब 20 महिलाएं फंस गईं, जबकि एक युवती का हाथ झुलस गया। शाम करीब सात बजे मील्स ऑन व्हील्स रेस्टोरेंट से अचानक धुआं उठने लगा। रेस्टोरेंट के पास ही ऊपर जाने के लिए सीढ़ियां थीं, जो योगा सेंटर का रास्ता है। आग फैलने के कारण यह रास्ता धुएं और लपटों से घिर गया, जिससे योगा क्लास में मौजूद करीब 20 महिलाएं अंदर ही फंस गईं। मौके पर मौजूद और स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद सभी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान एक युवती का हाथ झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हादसे में रेस्टोरेंट का सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। वहीं, एफएसओ आरके चौरसिया ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सभी को बाहर निकाल लिया गया।

# अतीक व गुर्गों से खाली कराई गई जमीन पर शहरियों को मिलेंगे सस्ते घर

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके गुर्गों के अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर शहरियों को सस्ती दरों पर घर उपलब्ध कराए जाएंगे। भूमाफिया के अवैध कब्जे से खाली कराए जाने के बाद कुर्क की गई जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) आवासीय योजना विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

अतीक अहमद और उसके गुर्गों के अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर शहरियों को सस्ती दरों पर घर उपलब्ध कराए जाएंगे। भूमाफिया के अवैध कब्जे से खाली कराए जाने के बाद कुर्क की गई जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) आवासीय योजना विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

पीडीए की ओर से शासन को पत्र भेजकर तहसील सदर के कटहुआ गौसपुर में 5.510 हेक्टेयर यानी 55,100 वर्ग मीटर जमीन निशुल्क उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया गया है। सूत्रों के अनुसार पीडीए की ओर से राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि न्यायालय पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट, प्रयागराज ने कटहुला गौसपुर में 5.510 हेक्टेयर भूमि को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी व क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 के तहत कुर्क किए जाने का आदेश पारित किया था।

गैंगस्टर एक्ट के तहत राज्य में निहित हो गई हैं अतीक की संपत्तियां

इसी क्रम में प्रयागराज के विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) ने उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अतीक अहमद व अन्य में 16 जुलाई 2024 को कुर्क संपत्तियों को राज्य में निहित कर दिया था। पत्र के जरिये कहा गया है कि विभिन्न जनपदों में भूमाफिया से खाली कराई गईं जमीनों को जनोपयोगी कार्यों में प्रयुक्त किया जाना है। पीडीए द्वारा भूमाफिया से खाली कराई गई जमीनों का नियमानुसार नियोजन एवं विकास कर आवासीय समस्याओं के निराकरण में सहयोग किया जा सकता है।

पीडीए ने पत्र के साथ माफिया और कुर्क संपत्तियों की सूची भी प्रमुख सचिव को भेजी है और उनसे अनुरोध किया है कि भूमाफिया से रिक्त कराई गई एवं राज्य में निहित तकरीबन 5.510 हेक्टेयर जमीन जनोपयोगी कार्य के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण को निरूशुल्क उपलब्ध करा दी जाए। पीडीए की ओर से कुल 16 संपत्तियों की सूची और प्रत्येक संपत्ति पर दर्ज आराजीदारों के नाम शासन को उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने कालिंदीपुरम में अपनी जमीन पर भूमाफिया के अवैध कब्जे को चिह्नित किया है। इस जमीन की कीमत तकरीबन 100 करोड़ रुपये है। इस मामले में पीडीए के उपाध्यक्ष ने क्षेत्र के अवर अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा है और मौके पर निगरानी के लिए तैनात किए गए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। इस जमीन से अवैध कब्जा हटाया जाएगा।

एयरपोर्ट के आसपास बढ़ाई गई निगरानी

पीडीए सूत्रों के मुताबिक, एयरपोर्ट के आसपास जमीनों पर अवैध कब्जे की निगरानी बढ़ा दी गई है। पीडीए वहां तकरीबन 28 हेक्टेयर जमीन पर एक बड़ी टाउनशिप बसाने की तैयारी कर रहा है। इस टाउनशिप के लिए प्रस्तावित जमीन अधिग्रहण में कटहुला गौसपुर गांव का वह हिस्सा भी शामिल है, जहां भूमाफिया से खाली कराई गई जमीन राज्य में निहित की जा चुकी है। एयरपोर्ट के आसपास के अन्य इलाकों में भी भूमाफिया पर निगरानी बढ़ा दी गई है और अवैध कब्जों को चिह्नित किया जा रहा है।

# गलत कानून का हवाला देकर मंजूर किया तलाक, हाईकोर्ट ने रद्द किया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में परिवार न्यायालय के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय ने अपने फैसले में ऐसे कानून का हवाला दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में परिवार न्यायालय के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय ने अपने फैसले में ऐसे कानून का हवाला दिया, जो अस्तित्व में ही नहीं है। इसके साथ ही मामले को पुनः सुनवाई के लिए वापस परिवार न्यायालय भेजते हुए तीन माह में नया निर्णय लेने का निर्देश दिया गया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने पति हाफिज की याचिका पर दिया है। बांदा के प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय ने 28 जनवरी 2026 के आदेश में हाफिज का पत्नी से तलाक मंजूर कर लिया था। इस आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची पति की ओर से दलील दी गई कि पत्नी ने तलाक की अर्जी मुस्लिम स्त्री विवाह विच्छेद अधिनियम, 1986 के तहत दाखिल की, जबकि ऐसा कोई कानून अस्तित्व में ही नहीं है। विवाह विच्छेद के लिए मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 लागू होता है, जबकि 1986 का कानून तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित है, न कि विवाह विच्छेद से।

कोर्ट ने कहा कि केवल वादपत्र में गलत कानून लिख देने से फैसला अवैध नहीं होता। बशर्ते अदालत सही कानून के तहत निर्णय दे, लेकिन इस मामले में परिवार न्यायालय ने पूरे निर्णय में बार-बार उसी गैर-मौजूद कानून का उल्लेख किया और उसी के आधार पर राहत भी दे दी। कोर्ट ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि एक वरिष्ठ न्यायाधीश से अपेक्षा होती है कि वह जिस कानून का उल्लेख कर रहे हैं, उसकी वैधता सुनिश्चित करें। कोर्ट ने 28 जनवरी 2026 का आदेश रद्द करते हुए मामले को परिवार न्यायालय को वापस भेज दिया है।

# ट्रेन से कटकर पांच लोगों की मौत के मामले में जांच कमेटी गठित, सात दिन में देनी होगी रिपोर्ट

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने करछना स्थित पचदेवरा में बुधवार की शाम हुए हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। गाड़ी संख्या 12801 (पुरुषोत्तम एक्सप्रेस) की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए रेल प्रशासन ने जेएजी स्तर के अधिकारियों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

रेलवे प्रशासन ने करछना स्थित पचदेवरा में बुधवार की शाम हुए हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। गाड़ी संख्या 12801 (पुरुषोत्तम एक्सप्रेस) की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए रेल प्रशासन ने जेएजी स्तर के अधिकारियों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

यह समिति न केवल हादसे के कारणों की पड़ताल करेगी, बल्कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए अपने सुझाव और अनुशंसाएं भी साझा करेगी। प्रयागराज मंडल के अपर रेल मंडल प्रबंधक (एडीआरएम) ऑपरेशन एमएम वारिश द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, डीआरएम प्रयागराज की मंजूरी के बाद गठित इस समिति में चार वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

इसमें सीनियर डीसीएम (कोचिंग), सीनियर डीएससी (आरपीएफ), सीनियर डीओएम (कोऑर्डिनेशन) और सीनियर डीईई (टीआरडी) शामिल हैं। समिति के सबसे वरिष्ठ सदस्य को इस जांच दल का अध्यक्ष और संयोजक नियुक्त किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जांच समिति को अपनी रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर सौंपनी होगी।

समिति को निर्देश दिया गया है कि वे हादसे के सात दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट और सिफारिशें प्रशासन को प्रस्तुत करें। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी के अनुसार रेलवे प्रशासन इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि आखिर किन परिस्थितियों में यह हादसा हुआ।

बता दें बुधवार शाम दिल्ली-हावड़ा रूट पर प्रयागराज के करछना के पास पचदेवरा इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से पांच यात्रियों की मौत हो गई। नेता जी एक्सप्रेस के चालक ने रेलवे ट्रैक पर शव देखकर ट्रेन रोक दी। इस दौरान ट्रेन से नीचे उतरे कुछ यात्री दूसरी लाइन पर प्रयागराज जंक्शन की तरफ आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। सीपीआरओ के अनुसार यह घटना शाम 6.57 बजे हुई।

रेलवे में अप्रेंटिसशिप जॉइन करने के बाद घर लौट रहा था सुनील

रेलवे में अप्रेंटिसशिप जॉइन करने के बाद घर लौट रहे मिर्जापुर के बिसेंदरपुर निवासी सुनील कुमार की पचदेवरा ट्रेन हादसे में मौत की खबर परिवार तक पहुंची तो घर में कोहराम मच गया। परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो माहौल बेहद गमगीन हो गया। परिजन शव देखकर फफक पड़े और चीख-पुकार मच गई। सुनील कुमार छह भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था और परिवार की जिम्मेदारियों में हमेशा आगे रहता था। उसके पिता संतलाल मिर्जापुर में पीडब्ल्यूडी विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं और परिवार पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में रहता है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। देर शाम परिवार शव लेकर अपने गांव चला गया।

मध्य प्रदेश से घर लौट रहे थे बलिराम

करछना के पचदेवरा ग्राम सभा स्थित ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन हादसे में बलिराम भगत की मौत पर परिवार में कोहराम मच गया। मूलरूप से बिहार के सीवान निवासी बलिराम भगत मध्य प्रदेश स्थित एक कंपनी में नौकरी करते थे। मंगलवार को वह ट्रेन से घर लौट रहे थे। बलिराम के साले संजय कुमार ने बताया कि रेलवे की ओर से सूचना मिली कि बलिराम की ट्रेन हादसे में मौत हो गई है। उनका शव करछना के पचदेवरा रेलवे ट्रैक पर है। बलिराम भगत तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। वह पत्नी सुमन देवी और दो बच्चों के साथ रहते थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। जीआरपी घटना की जांच कर रही है।

## किरायेदार की मौत के बाद सभी वारिसों को पक्षकार बनाना अनिवार्य नही

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किरायेदारी विवाद से जुड़े एक मामले में कहा कि किसी किरायेदार की मृत्यु के बाद बेदखली के मुकदमे में उसके सभी कानूनी वारिसों को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किरायेदारी विवाद से जुड़े एक मामले में कहा कि किसी किरायेदार की मृत्यु के बाद बेदखली के मुकदमे में उसके सभी कानूनी वारिसों को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है। मूल किरायेदार के निधन के बाद उसके उत्तराधिकारी संयुक्त किरायेदार माने जाते हैं। इसलिए किसी एक के खिलाफ चलाया गया मुकदमा भी सभी पर प्रभावी होगा। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकल पीठ ने वाराणसी निवासी आशीष कुमार अग्रवाल की याचिका खारिज करते हुए की। मामला चित्रकूट की जिला अदालत में दाखिल बेदखली वाद से जुड़ा है। जिसमें किरायेदार की मृत्यु के बाद उसके एक वारिस को पक्षकार बनाकर कार्यवाही आगे बढ़ाई गई थी।

## डिप्टी सीएम केशव बोले- महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण एक ऐतिहासिक कदम, कुछ दल कर रहे राजनीति

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में संसद के नए सत्र में पास कराने का कार्य हुआ था। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में संसद के नए सत्र में पास कराने का कार्य हुआ था। अब यह मूर्त रूप लेने जा रहा है। 2029 से संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण मिले यही भाजपा की मंशा है। पीएम मोदी ने सभी दलों से इसका समर्थन करने का आग्रह किया। कुछ राजनीतिक दल इस पर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं। केशव प्रसाद शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा। डिप्टी सीएम ने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण महिलाओं का हक है। पीएम मोदी ने सभी दलों से कहा है कि महिाओं का विरोध मत करो श्रेय लेना हो तो ले लो। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। संविधान में ही धर्म के आधार पर आरक्षण देने की व्यवस्था नहीं है। जिस चीज की अनुमति संविधान ही नहीं देता उसको कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है। कहा कि अखिलेश का पीडीए फर्जी है। अखिलेश को मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की इतनी चिंता है तो वह चुनाव में सभी सीटों पर उनको टिकट दे सकते हैं। नोएडा में बवाल मामले पर कहा कि हाईपावर कमेटी जांच कर रही है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। किसी को कानून व्यवस्था से खिलवाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। कहा कि पश्चिम बंगाल में भारी अंतर से कमल खिलने जा रहा है। वहां पहली बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

## गांधीधाम और सुपौल के लिए प्रयागराज होकर चलेगी स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने गुजरात के गांधीधाम और बिहार के सुपौल के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का एलान किया है। इसकी समय सारिणी जारी कर दी गई है। दोनों ही ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलेंगी। रेलवे प्रशासन ने गुजरात के गांधीधाम और बिहार के सुपौल के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का एलान किया है। इसकी समय सारिणी जारी कर दी गई है। दोनों ही ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलेंगी। गांधीधाम से मालदा टाउन के लिए गाड़ी संख्या 09463 का संचालन 19 अप्रैल की दोपहर 12.30 बजे होगा। पालनपुर, आबू रोड, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी रुकते हुए प्रयागराज जंक्शन पर इसका आगमन 20 अप्रैल की शाम 4.30 बजे और रवानगी 4.40 बजे होगी। यहां से पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, पटना आदि रेलवे स्टेशन रुकते हुए ट्रेन 21 अप्रैल की सुबह 9.10 बजे मालदा टाउन पहुंच जाएगी। वापसी में मालदा टाउन से गाड़ी संख्या 09464 की रवानगी मंगलवार 21 अप्रैल की शाम 5.35 बजे होगी जो 22 अप्रैल की सुबह 11.00-11.10 बजे प्रयागराज जंक्शन और 23 अप्रैल की दोपहर 3.30 बजे गांधीधाम पहुंच जाएगी। वहीं, नई दिल्ली से सुपौल के लिए 04072 का संचालन 17 अप्रैल से 15 जुलाई तक हर रोज रात 9रू35 बजे होगा। गाजियाबाद, अलीगढ़, इटावा आदि स्टेशन रुकते हुए ट्रेन अगले दिन सुबह 11रू50-11.55 बजे प्रयागराज जंक्शन और उसके अगले दिन सुबह 6रू35 बजे सुपौल पहुंचेगी। वहीं, सुपौल से 04071 की रवानगी 18 अप्रैल से 16 जुलाई के मध्य सुबह 7रू45 बजे होगी जो रात 1रू35-1रू45 बजे प्रयागराज जंक्शन और दोपहर तीन बजे नई दिल्ली पहुंच जाएगी।

## जून 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा छह लेन पुल, डीएम ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। राष्ट्रीय राजमार्ग-96 पर फाफामऊ में निर्माणाधीन छह लेन पुल का बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुल के एक्सट्राडोज्ड भाग तक एप्रोच सड़क के कार्य को परखा। राष्ट्रीय राजमार्ग-96 पर फाफामऊ में निर्माणाधीन छह लेन पुल का बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुल के एक्सट्रा डोज्ड भाग तक एप्रोच सड़क के कार्य को परखा। उन्होंने कार्यदायी संस्था एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर को जून 2026 तक कार्य पूरा करने को कहा। जिलाधिकारी ने प्रशासन की तरफ से आवश्यकता पड़ने पर सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि छह लेन पुल का 87 फीसदी काम पूरा हो चुका है। एक्स्ट्राडोज्ड सेगमेंट में कुल चार हैंगिग पिलर हैं, जिनमें तीन पिलर का कार्य पूरा हो गया है, चौथे पिलर का भी लगभग 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा एक पिलर को दूसरे पिलर से जोड़ने का काम शुरू हो गया है।

## संक्षिप्त

### तेज रफ्तार कार की टक्कर से अधेड़ की मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने घर जा रहे एक अधेड़ को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। जब पूरी रात वो घर नहीं पहुंचे तो परिवारजनों ने उनकी खोज शुरू की और उन्हें घर के सामने ही शव मिला। फैजुल्लागंज स्थित मौर्य मार्केट निवासी 55 वर्षीय देवेंद्र कुमार पांडे गुरुवार रात घर के सामने की सड़क पार कर घर जा रहे थे। उसी समय एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, देर रात तक देवेंद्र घर नहीं पहुंचे तो बड़े बेटे सचिन को चिंता हुई। उसने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान आसपास सड़क हादसे की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर देखा तो पिता का शव पड़ा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। देवेंद्र अपने पीछे पत्नी रेखा, दो बेटे सचिन और नितिन व दो बेटियां छोड़ गए हैं। अचानक हुई इस घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा है।

### हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत,मकान निर्माण के दौरान हादसा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के दुबग्गा थाना क्षेत्र स्थित इज्जतनगर में शुक्रवार को एक मजदूर युवक की 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना मकान निर्माण कार्य के दौरान हुई। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान सुहैल 24 के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुहैल निर्माणाधीन मकान के छज्जे पर काम कर रहा था। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे उसे तेज करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि रिहायशी क्षेत्र में घरों के बेहद करीब से गुजर रही यह हाईटेंशन लाइन पहले से ही खतरनाक थी। उन्होंने बताया कि इसकी कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का यह भी कहना है कि हादसे के काफी देर बाद तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची छानबीन में जुट गई

### वकीलों के 3 चैंबर जलकर राख,फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के वजीरगंज क्षेत्र स्थित तहसील परिसर में शुक्रवार को आग लग गई। देखते देखते गेट नंबर–3 के पास बने वकीलों के चौंबर में आग भड़क उठी। आग ने तीन चौंबर को अपनी चपेट में ले लिया। आग से तीनों चौंबर पूरी तरह जलकर राख हो गए। अंदर रखे जरूरी दस्तावेज, फर्नीचर और अन्य सामान भी जलकर नष्ट हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेज होने के कारण काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया।

### प्राइवेट कंपनी के टीम लीडर ने तोड़ा था एटीएम, गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में एटीएम तोड़कर कैश चोरी करने का प्रयास करने वाला गिरफ्तार हो गया है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया है कि जोमैटो के वेयर हाउस में वह टीम लीडर है। शेयर मार्केट और क्रिप्टो करेंसी में रुपए इन्वेस्ट करता है। शेयर मार्केट लगातार डाउन हो रहा था जिससे उस पर 6 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज हो गया था। कोई रास्ता न सूझने पर एटीएम तोड़कर पैसे चुराने की कोशिश की थी। गिरफ्तार युवक ने अपनी पहचान उन्नाव जिले के अजगैन थाना अंतर्गत शेरशाह गांव निवासी गुलशन कुमार (21) पुत्र दिवंगत मैकू लाल गौतम के रूप में बताई है। उसने 11 अप्रैल की सुबह बंथरा के पहाड़पुर स्थित हिताची एटीएम में एक अज्ञात व्यक्ति ने तोड़फोड़ कर कैश चोरी करने की कोशिश की थी। बंथरा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर में हिताची का एटीएम लगा है। उसे 11 अप्रैल से तोड़कर लूटने की कोशिश की गई। एक चोर हेलमेट लगाकर बूथ के अंदर एटीएम मशीन के पास गया। उसने सब्बल से मशीन को 7 मिनट तक तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, इस दौरान वह मशीन का कुछ हिस्सा ही तोड़ पाया लेकिन कैश फिर भी नहीं निकाल पाया। इसके बाद वह वहां से चला गया। गिरफ्तार आरोपी गुलशन ने बताया कि उसने 2024 में लव मैरिज की थी, जिससे नाराज होकर घरवालों ने उसे घर से अलग कर दिया था। इस समय वह बंथरा के ग्राम उम्मेदखेड़ा में किराये पर रहता है। बंथरा स्थित जोमैटो वेयरहाउस में टीम लीडर के रूप में काम करता है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शेयर मार्केट और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के कारण करीब छह लाख रुपए से ज्यादा के कर्ज में डूब गया था। कर्ज चुकाने के दबाव में उसने एटीएम तोड़कर पैसे चोरी करने की योजना बनाई थी। वह तमाम कोशिशों के बावजूद एटीएम नहीं लूट सका। पुलिस ने आरोपी कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया सब्बल, कटर और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

### अग्निकांड–नन्हे हाथ छीन रहे लंच के पैकेट, दूध–बिस्किट लेकर पहुंच रहे युवक

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 250 झोपड़ियों के आग में जल जाने के 2 दिन बाद घटनास्थल का सीन दयनीय है। 15 अप्रैल की शाम झोपड़ियों में आग लगी। उसके बाद आज 17 अप्रैल को घटनास्थल पर हर तरफ जिंदगी पटरी पर लाने की जद्दोजहद चल रही है। महिलाएं जले हुए बर्तन समेट रही हैं। आशियाने जलने से महिलाओं के नहाने–खाने की प्राइवेसी भी हट गई। एक महिला नहाती है तो दो और महिलाएं उसे साड़ी से ढक रही हैं। हादसे में जिंदा जलकर मरीं दो बच्चियों की मां पूनम का हाल बेहाल है। वह दो दिन से बार–बार बेहोश हो जा रही हैं। आज जैसे ही इस बारे में पूछा गया, वह पहले रोईं, फिर बेहोश हो गईं। मौके पर कई गैर सरकारी संगठन और आसपास के युवक मदद के लिए पहुंच रहे हैं। वे दूध–बिस्किट और लंच पैकेट बांटने के लिए कार्टन खोलते हैं तो छोटे–छोटे भूखे बच्चे लंच पैकेट छीनने लगते हैं। एक डॉक्टर हैं जो पिछले 3 दिन से लोगों के इलाज और मदद में निशुल्क लगे हुए हैं। राजधानी के पॉश इलाकों में से एक विकासनगर में बुधवार शाम करीब 5.30 बजे लगी आग में 30 से ज्यादा सिलेंडर फटे।

# किसानों के सम्मान व अधिकार की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेगी कांग्रेस: भगवान सिंह वर्मा

मथुरा। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा।

इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं अलीगढ़ कोऑर्डिनेटर भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि देश का अन्नदाता किसान आज प्राकृतिक आपदाओं, महंगाई और सरकारी उपेक्षा का शिकार हो रहा है। हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की तैयार फसलों को बर्बाद कर दिया है, जिससे गोवर्धन, छाता, बल्देव और मांट विधानसभा क्षेत्रों के किसानों को सर्वाधिक नुकसान हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की पीड़ा के प्रति संवेदनहीन है और फसल सर्वेक्षण में भेदभाव किया गया है। किसानों को दी जा रही सहायता राशि को उन्होंने अपर्याप्त बताते हुए इसे "भद्दा मजाक" करार दिया। उन्होंने मांग की कि मथुरा के किसानों को 2 लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए, साथ ही सरकारी ऋण और बिजली बिल माफ किए जाएं तथा किसानों से की जा रही रिकवरी तत्काल रोकी जाए।

भगवान सिंह वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिला, तो कांग्रेस पार्टी गांव–गांव और सड़क से सदन तक बड़ा जनआंदोलन करने को बाध्य होगी। धरना–प्रदर्शन में ठाकुर साहब सिंह, दीपक पाठक, नसीर अहमद फारुकी, राजू अब्बासी, ठाकुर बदन सिंह, विनोद आर्य, बृजेश शर्मा, राम भरोसे चौधरी, धर्मबीर सिंह सोलंकी, रामदेव सोलंकी, सोबरन सिंह, सलमान चौधरी, अखलाक चौधरी, शिवराम सिंह, सचेन्द कुमार गौतम, वीरपाल सिंह खरे, विजय सिंह लोधी, चिरागद्दीन, इन्द्रजीत गौतम, नसीरुद्दीन अब्बासी, रोशनलाल, राजेंद्र प्रसाद बाल्मीकि, प्रियपाल सिंह, उमेश चंद्र शर्मा, उमाकांत शर्मा, कपिल शर्मा, अजय रैगर, आजाद रैगर, जगन्नाथ सिंह चौहान, सतपाल चौधरी, अजय रावत, रोहित शैनी, राकेश यादव, लक्ष्मी पहलवान, नीरज पहलवान, बादाम सिंह, पद्म सिंह, उदयवीर सिंह, सुहाग राम, सूरज सिंह, मोहम्मद यासिन, शमीम अब्बासी, मुकेश, शोभाराम सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

# भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति हेतु 6 वाँ सामाजिक सत्याग्रह 19 अप्रेल को

**बुद्धि शुद्धि यज्ञ का होगा आयोजन, राजस्व टीम ने 19 को ही भूमि पैमाइश का दिलाया भरोसा**

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति हेतु 6 वाँ सामाजिक सत्याग्रह प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ क्षेत्रीय विकास संस्थान व क्षेत्रीय समाज द्वारा सामूहिक रूप से किया जायेगा। वहीं राजस्व कर्मियों व भू माफियाओ को धाम व धाम से जुड़ी समस्त सार्वजनिक भूमि को खाली कराके जनोपयोगी बनाने हेतु बुद्धि शुद्धि यज्ञ का सामूहिक आयोजन होगा।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि गत 15 मार्च से प्रत्येक रविवार को सामाजिक सत्याग्रह का आयोजन दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि



राजस्व निरीक्षक राजेश पांडेय ने 19 अप्रेल को पुनः पैमाइस करने का वायदा किया गया है। एस डी एम सदर के 28 मार्च के आदेश के क्रम में अभी तक राजस्व टीम धाम नही पहुँच सकी है वहीं निजी अधिपत्य हेतु बिना सोच विचार के कुछ लोग एक पुजारी की आड़ में अनाधिकार कार्य निरंतर कर रहे है। एक निजी गिरोह बनाकर कुछ लोग कोरोना के समय से धाम के विकास व मुख्य उदेश्य में अवरोध उत्पन्न करते है। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह सहित सभी ने जिला प्रशासन से धाम को कब्जा व अराजकता मुक्ति हेतु अनुरोध किया है।

## तकनीक सक्षम होंगे शिक्षक, यूपी के 5 जनपदों में 'निपुण शिक्षक सारथी' पायलट मॉडल शुरू, अब कक्षा स्तर पर दिखेगा असर

लखनऊ, संवाददाता। निपुण भारत मिशन को जमीनी स्तर पर परिणामोन्मुख बनाने के लिए योगी सरकार ने 'निपुण शिक्षक सारथी' कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में तकनीक आधारित ठोस पहल शुरू की है। अब निपुण लक्ष्य की दिशा में बदलाव के असली नेतृत्वकर्ता शिक्षक बनेंगे। पायलट आधार पर चित्रकूट, सोनभद्र, बलरामपुर, गोरखपुर और सीतापुर जनपदों में लागू किया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को 'बदलाव के असली सारथी' के रूप में तैयार करने का कार्य शुरू किया है। चयनित 15 एसआरजी के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को 15–16 अप्रैल को पूरा कर लिया गया। इसके लागू होने से परिषदीय शिक्षक पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर तकनीक सक्षम होंगे। वे सीखने की प्रक्रिया के मार्गदर्शक बनेंगे, जिससे उन्हें स्पष्ट दिशा, आधुनिक प्रशिक्षण और सतत शैक्षणिक सहयोग मिलेगा। वहीं, गतिविधि आधारित और स्तर के अनुसार पढ़ाई से विद्यार्थी बिना दबाव के सहज रूप से सीख सकेंगे, जिससे उनकी बुनियादी साक्षरता मजबूत होगी और समग्र विकास सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम को चित्रकूट, सोनभद्र, बलरामपुर, गोरखपुर और सीतापुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। इनमें चित्रकूट, सोनभद्र और बलरामपुर आकांक्षी जनपद हैं, जबकि गोरखपुर और सीतापुर में आकांक्षी विकासखंड शामिल हैं। इन क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस मॉडल को प्राथमिकता दी गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 राज्य स्तरीय संदर्भ समूह (एसआरजी) को विभाग द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षित एसआरजी तकनीक के माध्यम से अधिकाधिक शिक्षकों से जुड़कर उन्हें निरंतर शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे और कक्षा में आने वाली समस्याओं के समाधान में सहयोग देंगे। इस मॉडल के अन्तर्गत शिक्षकों के साथ संवाद और सहयोग की आवृत्ति में बड़ा बदलाव लाया गया है। जहां पहले औसतन प्रतिदिन 1 से 2 बार टेक्निकल टीम से संपर्क हो पाता था, वहीं अब 18 से 20 बार नियमित और योजनाबद्ध शैक्षणिक संवाद सुनिश्चित किए जाएंगे। इससे शिक्षकों को अधिक लक्षित और आवश्यकता आधारित मार्गदर्शन मिलेगा।

# शंकराचार्य सपा के इशारे पर काम कर रहे हैं,अब गाय कसाई को देखकर नहीं कांपती : धर्मपाल

लखनऊ, संवाददाता। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। गोमाता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और सरकार के प्रयासों के बारे में मैं कुछ बातें साझा करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गो संरक्षण के लिए दी जाने वाली दैनिक राशि को 30 से बढ़ाकर 50 कर दिया गया है। धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दुग्ध स्वर्ण महोत्सव–2026 का शुभारंभ किया। 2 दिवसीय महोत्सव इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स हॉल में हो रहा है। इसमें दुग्ध उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। ध र्मपाल सिंह ने कहा वर्तमान में हमारे पास 7,500 गो संरक्षण केंद्र हैं, जहां लगभग 13.5 लाख गायों का पालन–पोषण किया जा रहा है। इन पर प्रतिदिन 8 करोड़ से अधिक का खर्च आता है। सरकार अकेले सब कुछ नहीं कर सकती। मैं उद्यमियों और सक्षम नागरिकों से अपील करता हूं कि वे किसी भी एक गोशाला (200–300 गायों वाली) को एक वर्ष के लिए गोद लें। ध र्मपाल सिंह ने कहा कि शास्त्र कहते हैं कि गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास होता है। मूत्र में गंगा मैया बसती हैं और इसका दूध अमृत के समान है। विशेष रूप से साहीवाल जैसी देसी नस्लों का दूध सर्वोत्तम माना जाता है। पिछली सरकारों और वर्तमान सरकार में यही अंतर है कि पहले पशु चोरी के डर से किसान परेशान रहता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। अब गाय कसाई को देखकर नहीं कांपती, बल्कि कसाई कानून को देखकर कांपता है। हमारा लक्ष्य है कि निराश्रित गोवंश सड़कों या खेतों में न दिखे, बल्कि उन्हें उचित संरक्षण और प्रेम मिले। आप सभी इस पुनीत कार्य में सहयोग दें। महोत्सव में अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम और दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. समेत कई अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल हुए। यहां विभाग की योजनाओं और आगे की दिशा पर बातचीत हुई।महोत्सव में दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण से जुड़ी नई तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। किसान और डेयरी से जुड़े लोग यहां आधुनिक तरीकों के बारे में जानकारी ले रहे हैं और उन्हें अपनाने पर चर्चा कर रहे हैं। आयोजन में बड़ी भागीदारी देखने को मिल रही है।

## गाँव को अनपढ़ कहता

(छप्पय)

शहरों में है भीड़  भीड़ में सभी अकेले।
दौलत इनके पास  मगर हैं कई झमेले।
गाँवो के थे अंग  बने जो अब बस्ती हैं।
रँग स्वारथ के रंग  बताते हम हस्ती हैं।
रौनकता के साथ में  सजा रहे हैं महफिले।
देखो उनको गौर से  ऊपर से ही है खिले।।

है अक्षर का खेल  शहर में जो भी रहता ।
खुद को कहे महान  गाँव को अनपढ़ कहता।
मिट्टी से हो दूर  प्रेम पत्थर से करते।
झज्जर से कर रार  नीर बोतल में भरते।
सीना, मिट्टी का दबा  सड़के चौड़ी हो गईं।
उत्सव को दे जिन्दगी खुशियाँ गायब हो गईं।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

### कारब में रागनी महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन, कलाकारों ने बिखेरा सुरों का जादू

कारब। गाँव कारब में 16 अप्रैल को समाजसेवी चौधरी हरवीर सिंह पहलवान के तत्वावधान में आयोजित भव्य रागनी महोत्सव ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस सांस्कृतिक संध्या में लोक कला, परंपरा और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत रागनी जगत के प्रसिद्ध कलाकार

नरदेव बेनीवाल और रोहताश धामा की दमदार प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद संजना चौधरी, भावना भाटी और राधा चौधरी ने अपनी मधुर आवाज और शानदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरी रात पंडाल तालियों और जोश से गूंजता रहा।

महोत्सव में क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति भी आकर्षण का केंद्र रही। आयोजक चौधरी हरवीर सिंह पहलवान ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में देव चौधरी, कलेक्टर सिंह, जीतू चौधरी, वीरपाल गंधार, हेमंत चौधरी और अमित ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार्यक्रम ने न केवल लोक संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि क्षेत्र में आपसी भाईचारे और एकता का भी मजबूत संदेश दिया।

### सीए बनना चाहते हैं आरुष शंकर, 95 प्रतिशत अंक मिले

मथुरा। परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर वृंदावन के दसवीं कक्षा के छात्र आरुष शंकर ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा पास की है।वह सीए बनना चाहते हैं।वह कहते हैं कि हॉस्टल में रहकर प्रतिदिन आठ घंटे पढ़ाई करते थे, पढ़ाई करना कभी नहीं छोड़ा। वह कहते हैं कि पढ़ाई से घबराना नहीं चाहिए। आरुष बताते हैं कि पढ़ाई का समय लंबा होने के बजाय गहन होना आवश्यक है। बताया कि जितना अध्ययन करते थे, उतना मन लगाकर करते थे। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखी है।इस सफलता का श्रेय वो अपनी मां अंजली वर्मा को देते हैं।जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया,समय समय पर उनका मार्गदर्शन भी किया।

**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना संख्या :- 03-विद्युत/सा0/प्रयागराज/26-27 दिनांक- 15.04.2026

**ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक-08.05.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

| | | |
|---|---|---|
| क्रम सं.1 | निविदा सूचना संख्या: ELG-13-2627 | काम की लागत (₹ में): ₹ 4317648.45 |

कार्य का नाम: "प्रयागराज मंडल के अंतर्गत शाखा लाइनों पर स्थित 10 मध्य-खंडीय गैर-इंटरलाक एलसी गेटों के इंटरलाकिंग" से संबंधित विद्युत कार्य।

| | |
|---|---|
| बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 86400.00 | कार्य समाप्त करने की अवधि: 06 माह |

निविदा खुलने की तिथि: 08.05.2026, समय -15:00 बजे।

नोट :- 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 839/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना सं.: 0520262027 दिनांक: 15.04.2026

**ई-निविदा सूचना**

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 11.05.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

| | |
|---|---|
| क्र.सं.: 1 | निविदा नं.: 10 |

कार्य का विवरण: (अ) सहायक मण्डल अभियन्ता/मु0/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत जी.एम.सी. में माल भाड़ा स्टॉक परीक्षण और रखरखाव एवं सुविधाओं के संवर्धन का कार्य। (फेज-तृतीय)
(ब) सहायक मण्डल के अभियन्ता/मु0/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत जी.एम.सी. में माल भाड़ा स्टॉक परीक्षण और रखरखाव एवं सुविधाओं के संवर्धन का कार्य। (फेज- चतुर्थ)

| | |
|---|---|
| अनुमानित मूल्य (रु.): ₹ 5,35,35,031.61 | बयाने की रकम (रु): ₹ 10,70,700.00 |
| कार्य समापन की अवधि: 12 माह | निविदा खुलने की तिथि: 11.05.2026 |

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग।

| | |
|---|---|
| क्र.सं.: 2 | निविदा नं.: 11 |

कार्य का विवरण: सहायक मण्डल के अभियन्ता/मु0/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत जी.एम.सी. में माल भाड़ा स्टॉक परीक्षण और रखरखाव एवं सुविधाओं के संवर्धन का कार्य। (फेज - द्वितीय)

| | |
|---|---|
| अनुमानित मूल्य (रु.): ₹ 5,13,37,505.15 | बयाने की रकम (रु): ₹ 10,26,800.00 |
| कार्य समापन की अवधि: 12 माह | निविदा खुलने की तिथि: 11.05.2026 |

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग।

नोट:- (1) आनलाइन निविदा दिनांक 11.05.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 11.05.2026 तक उपलब्ध है। 832/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

# सम्पादकीय.....

## बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान–अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया–प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति शृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना। वहीं निम्न आय वर्ग के लोगों में इससे भरण–पोषण का संकट पैदा हो रहा है। श्रमिक असंतोष के बीच आक्रोश उभरा कि महंगाई के अनुपात में उनकी आमदनी नहीं बढ़ रही, फलतरू जीवनयापन कठिन होता जा रहा है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया कि मार्च में खुदरा महंगाई बढ़कर 3. 4 हो गई है, जिसकी वजह पश्चिमी एशिया से उपजा संकट बताया जा रहा है। सवाल यह है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास सिरे क्यों नहीं चढ़ रहे हैं। यदि कदम प्रभावकारी हैं तो फिर महंगाई क्यों बढ़ रही है। वास्तव में खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि को महंगाई का मुख्य कारण बताया जा रहा है। यद्यपि सरकार की दलील है कि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की रेड लाइन चार फीसदी से नीचे है। लेकिन वास्तव में स्थिर आय के चलते महंगाई अधिक महसूस की जा रही है। लेकिन लोगों की चिंता यह है कि यदि पश्चिम एशिया संकट का शीघ्र समाधान नहीं निकलता है तो महंगाई की मार असहनीय हो सकती है। यदि समय रहते सरकार की तरफ से ठोस प्रयास किए जाते हैं तो महंगाई पर अंकुश लगाना संभव हो पायेगा।

# नए ऐतिहासिक मोड़ पर न्यायपालिका

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*तुषार मेहता उन्हें मामले सौंपते हैं। ऐसी स्थिति में माननीय जज के लिए तुषार मेहता के खिलाफ कोई आदेश पारित करना कठिन होगा।*

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बीच हुआ संवाद न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। कथित आबकारी घोटाला मामले में 21 मार्च 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। मई से सितंबर 2024 के बीच उन्हें अंतरिम जमानत मिली और अंततरू रिहाई हुई। लगभग दो साल बाद फरवरी 2026 में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सबूतों की कमी के कारण अरविंद केजरीवाल को तमाम आरोपों से बरी कर दिया। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इस फैसले से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि अदालत ने सबूतों का सही मूल्यांकन नहीं किया, इसलिए उन्होंने इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। लेकिन हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच के समक्ष मामला जाने से श्री केजरीवाल ने असंतोष दिखाया। अरविंद केजरीवाल अपनी पैरवी खुद कर रहे हैं और इस सोमवार उन्होंने जस्टिस शर्मा के सामने ही यह मांग रखी कि वे खुद को इस मुकदमे अलग करें।अदालत में अरविंद केजरीवाल ने तर्क दिया कि जस्टिस शर्मा ने ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे, जिससे उनके मन में न्याय मिलने को लेकर आशंका पैदा होती है कि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलने का डर है। श्री केजरीवाल ने कहा कि कानून के अनुसार केवल पूर्वाग्रह की उचित आशंका ही किसी जज के केस से हटने के लिए पर्याप्त आधार है। उन्होंने जज के रिक्यूजल यानी खुद को मामले से अलग करने के सिद्धांत पर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र किया जिसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि कोई जज पक्षपाती हो, लेकिन अगर पार्टियों के मन में कोई वाजिब शक है तो यह रिक्यूजल का मामला बनता है। इस बारे में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, मैंने खुद को सुनवाई से अलग रखने यानी रिक्यूजल से जुड़े कानून के बारे में बहुत कुछ सीखा। मेरी जिंदगी में पहली बार किसी ने मुझसे खुद को सुनवाई से अलग रखने के लिए कहा है। लेकिन मैंने इसके बारे में बहुत कुछ सीखा। मुझे उम्मीद है कि मैं एक अच्छा फैसला दे पाऊंगी। अब गुरुवार को अरविंद केजरीवाल ने एक और नया हलफनामा अदालत में दाखिल किया है, जिसमें साफ कहा गया है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे केंद्रीय सरकारी पैनलों में हैं, यानी वरिष्ठ अधिवक्ता और मोदी सरकार के सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम कर रहे हैं। तुषार मेहता उन्हें मामले सौंपते हैं। ऐसी स्थिति में माननीय जज के लिए तुषार मेहता के खिलाफ कोई आदेश पारित करना कठिन होगा। इसलिए अन्य कारणों के साथ–साथ, माननीय न्यायाधीश को इस मामले से स्वयं को अलग कर लेना चाहिए। हलफनामे में दावा किया गया है कि चूंकि केंद्र सरकार इस मामले में एक पक्ष है, इसलिए इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित हो सकती है। याचिका में कहा गया है कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। जब जज साहिबा के करीबी सदस्य उस पक्ष (केंद्र सरकार) के साथ पेशेवर रूप से जुड़े हों जिससे संबंधित मामला सुना जा रहा है, तो यह श्उचित निष्पक्षताश के सिद्धांत के खिलाफ है। अब इस मामले में आगे क्या होता है और किस तरह दिल्ली हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई होती है, क्या जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस मामले की सुनवाई करेंगी या श्री केजरीवाल की मांग सुनते हुए अलग हो जाएंगी, यह देखना दिलचस्प होगा। मगर इतना तय है कि अब यह मामला कानूनी और राजनैतिक पहलू से बढ़कर भारतीय लोकतंत्र में संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुका है। इस मामले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका के बीच शक्ति–संतुलन, जांच एजेंसियों के राजनैतिक इस्तेमाल और विधिक प्रक्रिया की शुचिता और सक्रियता से जुड़े गंभीर प्रश्नों को जन्म दिया है। इस मामले का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण कानूनी और संवैधानिक बहसों को दिशा देगा और भावी सुनवाइयों के लिए मिसाल भी बनेगा। दरअसल स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनावों या सरकारों तक सीमित नहीं होती है, बल्कि न्यायिक स्वतंत्रता और संस्थागत पारदर्शिता के पैमाने पर भी लोकतंत्र को परखा जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था में समय–समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे राजनैतिक, संवैधानिक और संस्थागत संतुलन की परिभाषा नए सिरे से तय हुई है। साथ ही न्यायपालिका किस तरह हरेक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षक है, इसकी भी मिसालें सामने आई हैं। 1980 के दशक की शुरुआत में, सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस पी.एन. भगवती ने पहली बार एक पोस्टकार्ड या साधारण पत्र को रिट याचिका के रूप में स्वीकार किया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि गरीब, अशिक्षित या वंचित लोग, जो अदालत तक नहीं पहुंच सकते, वे सिर्फ एक पोस्टकार्ड लिखकर अपनी समस्याओं या अन्याय को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा सकें और उन्हें न्याय मिल सके। इस प्रक्रिया ने न्यायपालिका के दरवाजे आम आदमी के लिए खोल दिए, जिसे बाद में एपिस्टोलरी जूरिस्डिक्शन कहा गया।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023 के अंतर्गत आयोजित कहानी–लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता

भारत सरकार द्वारा पारित "नारी शक्ति वंदन अधिनियमदृ 2023" के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन–जागरूकता के उद्देश्य से प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 17 अप्रैल 2026 को विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवा वर्ग में महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार तथा सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

इसी क्रम में विद्यार्थियों में विषय के प्रति समझ, अभिव्यक्ति क्षमता, रचनात्मकता एवं नेतृत्व कौशल के विकास हेतु कहानी–लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नारी सम्मान, समानता, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार दिए ।

कहानी–लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अत्यन्त प्रभावशाली एवं विचारोत्तेजक रचनाएँ प्रस्तुत कीं। प्रतिभागियों द्वारा लिखित कहानियों में नारी के संघर्ष, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, अधिकारों की प्राप्ति तथा सामाजिक परिवर्तन में उनकी भूमिका का सशक्त चित्रण किया गया। कई प्रतिभागियों ने ग्रामीण एवं शहरी परिवेश में महिलाओं की चुनौतियों, सामाजिक बाधाओं तथा सफलता की प्रेरणादायक घटनाओं को अपनी कहानियों में समाहित किया।

प्रतियोगिता में रचनाओं का मूल्यांकन विषय–वस्तु, भाषा–शैली, मौलिकता, संदेश एवं प्रस्तुति के आधार पर किया गया। प्रतिभागियों की रचनात्मकता एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने कार्यक्रम को अत्यंत सार्थक दिशा दी।

भाषण के अन्तर्गत प्रतिभागियों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियमदृ 2023 के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने अधिनियम के महत्व, महिलाओं को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सामाजिक समानता तथा राष्ट्र के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, स्पष्ट उच्चारण, प्रभावशाली प्रस्तुति एवं तार्किक विचारों के माध्यम से श्रोताओं को प्रभावित किया। भाषणों में यह संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया कि जब महिलाएँ सशक्त होंगी, तभी समाज एवं राष्ट्र वास्तविक रूप से प्रगति,

विद्यार्थियों में नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का विकास हुआ। प्रतिभागियों की रचनात्मक एवं वक्तृत्व क्षमता में वृद्धि हुई।

छात्र–छात्राओं ने सामाजिक उत्तरदायित्व एवं समानता के मूल्यों को समझा।

कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिसर में सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण किया।

उक्त कार्यक्रम अत्यन्त सफल एवं प्रेरणादायक रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर यह सिद्ध किया कि युवा पीढ़ी नारी सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति सजग है। इस आयोजन के माध्यम से "नारी शक्ति वंदन अधिनियमदृ2023" के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई तथा महिलाओं की उन्नति एवं समान सहभागिता के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ अलका मिश्रा ने किया एव सहसंयोजन डॉ पूजा सिह ने किया।इस कार्यक्रम में डॉ दिव्या द्विवेदी,डॉ श्वेता श्रीवास्तव डॉ स्वास्तिका सिंह,डॉ प्रियंका सक्सेना,डॉ भावना उपस्थित थीं ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो विनीता यादव ने की।

सीमा वर्णिका की कलम से

## 'असल जिम्मेदार कौन'

आज अखबार में रजत की आत्महत्या का समाचार पढ़ कर आशीष का मन उदास हो गया।

रजत को वह वर्षों से देख रहा था उसकी पढ़ाई लिखाई एक बड़े अमीरों वाले विद्यालय से हुई थी।

रजत मायावी चमक दमक का शिकार हर समय निन्यानबे के फेर में रहता। दोस्तों यारों की बड़ी–बड़ी चमकीली गाड़ियाँ, भव्य बँगले तथा ब्रॉडेड कपड़े उसके मन की कोफ़्त

बढ़ा देते। उसकी ग़लती नहीं थी उसे संस्कार में माता–पिता से दिखावा व चतुराई मिली थी। इंसान समाज में इज्जत से जीने के लिए बहुत आडम्बर करता है । उस पर जब अभावों में जीवन बीत रहा हो तो वह और सजग रहता।

इसी झूठे दिखावे में गर्दन तक कर्ज में डूबा रजत जान देने पर उतारू हो गया। असली जिम्मेदार कौन था?

आशीष भारी मन से रजत के घर जा पहुँचा। उसके बूढ़े माँ बाबू जी सिर पकड़े रो पीट रहे थे। साथ ही कहते जा रहे थे। हाय! मेरे बेचारे लड़के को कोई रास्ता नज़र नहीं आया। बच्चे ने जान दे दी.. कोई मदद कर देता तो नहीं मरता.. वह बड़ा परेशान चल रहा था।

आशीष को तो सारे हाल चाल पता थे। असल में उसने कई लोगों से और आशीष से भी उधार ले ले कर एक फैक्ट्री खोली थी सोचता था इसकी कमाई से वह जल्दी ही बड़ा आदमी बन जाएगा और सब ठीक हो जाएगा। वैसे भी किसी भी काम की सफलता मेहनत पर निर्भर होती है। उसे अपने स्वभाव के अनुसार हमेशा ही चंट चालाकी से काम निकालने वाला रास्ता भला लगता था। शुरू शुरू में काम ठीक ठाक चला फिर दिक्कतें आने लगी। जो भी दो चार कर्मचारी रखे उनको समय पर वेतन देना तक मुश्किल होने लगा। नतीजा सामने था।

देहरी पर माँ रोते रोते चिल्ला रही थी अरे! लड़का जिंदा रहता तो सबका लेनदेन चुकता कर देता। हम लोग अब कुछ नहीं कर पायेंगे। माफ़ कर देना तुम लोग।

आशीष चुपचाप वहाँ से चला आया। वह सोचता रह गया कि मौत के अवसर को भी यह लोग भुनाने से बाज नहीं आए। उसके भी बीस हजार रुपये पानी में चले गए थे।मन ही मन कसम खायी अब किसी को उधार नहीं देगा।

सीमा वर्णिका, कानपुर

# यह वह मगध है, जिसे तुम मेरी तरह गंवा चुके हो!

**सर्वमित्रा सुरजन**

पच्चीस से छब्बीस, इतना भी नहीं चले नीतीश। अब नीतीश कुमार जब संभवतरू अपने जीवन के आखिरी राजनैतिक पड़ाव पर पहुंचे हैं, तो उनके लिए यही कहा जा सकता है। पच्चीस से तीस फिर से नीतीश, यही नारा जदयू के कार्यकर्ताओं ने पिछले साल के बिहार चुनाव में बुलंद किया था। उससे पहले 2015 के चुनाव में बहार में बिहार है, फिर से नीतीशे कुमार है– का गीत बिहार में चला था। 2020 के चुनाव में जेडीयू ने नारा बुलंद किया– श्क्यों करें विचार ठीके तो हैं नीतीश कुमारश। हर पांच साल में एक ही व्यक्ति पर अगर पार्टी का भरोसा दिखे और जनता भी उसी भरोसे पर भरोसा करे, तो उस व्यक्ति का नाम नीतीश कुमार हो सकता है, कम से कम बिहार की राजनीति के संदर्भ में तो यही कहा जा सकता है। 2005 से लेकर 2025 तक नीतीश कुमार ही बिहार की राजनीति के सूर्य बने रहे। बेशक लालू यादव का तेज भी कम नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने उस तरह मौकापरस्त या सिद्धांतहीन राजनीति को स्वीकार नहीं किया, जिस पर चलकर नीतीश कुमार ने अपने लिए सत्ता का लंबा इंतजाम कर लिया था। भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का डटकर मुकाबला करने की हिम्मत लालू यादव ने दिखाई तो उसका भुगतान जेल जाकर, अब तक मुकदमे झेलकर और अपने परिवार में टूट देखने तक सब तरह से करना पड़ा। इतना जरूर रहा कि लालू यादव को कभी सत्ता से बेआबरू होकर निकलने की नौबत नहीं आई। किसी ने फाइलों का जोर दिखाकर उनसे यह नहीं कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर राज्यसभा की सदस्यता लो और चुपचाप अपनी पांच–छह दशकों की राजनीति पर पूर्णविराम लगाओ। इतिहास शायद नीतीश कुमार के लिए यही सब न लिख पाए। वैसे बिहार की जनता का नीतीश कुमार पर कितना यकीन था, यह इसी से जाहिर होता है कि चाहे वे एनडीए में रहें या महागठबंधन में, लोगों ने उन्हें ही मुख्यमंत्री बने देखना चाहा। अटलजी की भाजपा में वे शामिल थे, तब भी बिहार पर उनकी पकड़ थी, और जब मोदीजी की भाजपा में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से क्षुब्ध होकर उन्होंने अलग राह पकड़ी, तब भी बिहार उनके साथ खड़ा रहा। अमित शाह ने उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद होने की बात कही, नरेन्द्र मोदी ने डीएनए पर सवाल उठाए, लेकिन फिर भी बिना किसी ठोस, प्रत्यक्ष कारण के वे अपने ही खड़े किए विपक्षी मोर्चे को छोड़कर फिर से एनडीए में चले गए, तब भी बिहार के लोगों ने उनसे सवाल नहीं किए कि आप आखिर इस तरह पलटी मार कर क्यों अपनी फजीहत करवाते हैं, क्यों हमारे चयन पर सवाल उठने देते हैं। बल्कि जब यह संदेह जोर पकड़ रहा था कि 2025 के चुनाव में नीतीश कुमार को भाजपा मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी, क्योंकि उसके नेता अटलजी का सपना पूरा करने के लिए भाजपा का मुख्यमंत्री बना सकते हैं, तब भी 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा बिहार में चला। लोगों को यकीन था कि नीतीश कुमार केवल रिकार्ड बनाने के लिए 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ नहीं लेंगे, बल्कि भाजपा के हर दांव–पेंच और दबाव का सामना कर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। लेकिन 2030 तक तो छोड़िए, नीतीश कुमार 2026 तक भी ढंग से बतौर मुख्यमंत्री नहीं चल पाए। जब 2000 में उन्होंने पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो बहुमत साबित न कर पाने के कारण महज सात दिनों के लिए ही उस कुर्सी पर बैठ पाए, मगर इसके बाद 2005 में मुख्यमंत्री बनकर पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। 2010 में फिर बहुमत से सरकार बनाई। हालांकि 2014 लोकसभा चुनाव में हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया, मगर 22 फरवरी 2015 को नीतीश कुमार फिर मुख्यमंत्री बन गए। यह वही वक्त था जब उन्होंने नरेन्द्र मोदी का खुलकर विरोध किया था और महागठबंधन बनाकर लालू यादव के साथ आ गए थे। नवंबर 2015 को महागठबंधन के साथ फिर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने। लेकिन शायद उनकी राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं लालूजी की सिद्धांतवादी राजनीति में सध नहीं पा रही थीं, तो उन्होंने महागठबंधन छोड़कर 27 जुलाई 2017 को एनडीए के साथ फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 2020 में विधानसभा चुनाव हुए और एक बार फिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। लेकिन अभी उन्हें राजनीति के दोनों ध्रुवों– एनडीए और महागठबंधन में अपने वजन का तौल करना बाकी था, लिहाजा 2022 में उन्होंने फिर महागठबंधन के साथ सरकार बनाई, लेकिन जनवरी 2024 में लोकसभा चुनाव से चंद माह पहले फिर एनडीए में लौट गए, फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस बार भी वे जनता को ये यकीन दिलाने में सफल रहे कि बस अब पलटी मारने का दौर खत्म हो गया। आप भी इस सर्कस को देखते हुए थक गए होंगे, तो थोड़ा आराम कर लें। अब हम यहीं रहेंगे। इस बात पर इत्मीनान किया जा सकता है कि नीतीश कुमार अपनी बात के पक्के निकले, मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी, लेकिन पलटी नहीं मारी। मगर जनता के भरोसे से तो उन्होंने ऐसी पलटी मारी है कि उसका यकीन अब सिद्धांतवादी राजनीति से शायद उठ ही जाए। भाजपा ने नीतीश के लिए लगे नारे को ठेंगा दिखाते हुए अपने नारे मोदी है तो मुमकिन है, को सच कर दिखाया है।

# अहान,अनीत की केमिस्ट्री फिर करेगी कमाल, मोहित सूरी ला रहे नई कहानी



'सैयारा' की टीम एक बार फिर साथ आ गई है! मोहित सूरी , अक्षय विधानी (सीईओ , यश राज फिल्म्स) और जेन–जी स्टार्स अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर एक इंटेंस रोमांस फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। 'सैयारा' की जबरदस्त सफलता के बाद, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी बनी, यह टीम अपनी अगली अनटाइटल्ड फिल्म के साथ लौट रही है, जो दिल छू लेने वाली कहानी और यादगार संगीत का शानदार मेल पेश करेगी। रिलीज के बाद दर्शकों और आलोचकों की जबरदस्त सराहना पाने वाली यश राज फिल्म्स की 'सैयारा' अपने समय की सबसे बड़ी म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी। फिल्म ने भारत में 338 करोड़ रुपये नेट और दुनिया भर में करीब 580 करोड़ रुपये ग्रॉस की शानदार कमाई की – जो पूरी तरह नए कलाकारों के साथ बनी एक रोमांटिक म्यूजिकल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि है। इसका संगीत लंबे समय तक स्ट्रीमिंग चार्ट्स पर छाया रहा और रिलीज के बाद भी इसकी लोकप्रियता बनी रही, जिससे यह फिल्म भारत और दुनिया भर में, खासकर युवाओं के बीच, एक पॉप कल्चर फेनोमेनन बन गई।अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी 'सैयारा' के बाद जेन–जेड की फेवरेट बन गई। फैंस जिन्हें प्यार से 'अहनीत ' कहते हैं, अब इस नई फिल्म में फिर साथ नजर आएंगे और अपनी वही आकर्षक केमिस्ट्री, सहज अभिनय और दिलकश स्क्रीन प्रेजेंस लेकर लौटेंगे, जिसने 'सैयारा' में उनके प्रदर्शन को यादगार बना दिया था। मोहित सूरी कहते हैं, "मेरे लिए हमेशा से लव स्टोरीज ही रही हैं३ जब भावनाएं इतनी गहरी, बेकाबू और खुद को पूरी तरह घेर लेने वाली हो जाती हैं कि उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल हो जाता है। प्यार को पूरी तीव्रता से महसूस किया जाना चाहिए और इसी वजह से मैं एक कहानीकार के तौर पर इस जॉनर की ओर खिंचता हूं। यह फिल्म भी उसी भावना को खुलकर एक्सप्लोर करती है। 'सैयारा' की टीम के साथ फिर से काम करना बेहद खास है, जैसे यह पहले से तय था। यह एक तरह से घर वापसी है, लेकिन नई क्रिएटिव भूख के साथ। इस बार मैं खुद को एक नए कलाकार की तरह महसूस कर रहा हूं – उत्साहित, थोड़ा नर्वस, और उम्मीद करता हूं कि मेरा संगीत एक बार फिर लोगों के दिलों को छुएगा।"अक्षय विधानी कहते हैं, "मोहित के साथ हमारा सहयोग एक साझा क्रिएटिव सोच और दिल को छू लेने वाली कहानियां कहने की महत्वाकांक्षा पर आधारित है। उनके साथ फिल्म बनाना सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक एहसास, एक धुन और एक ऐसा पल तलाशना होता है जो फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के साथ बना रहे। 'सैयारा' ऐसा ही एक अनुभव था जिसे हम हमेशा संजोकर रखेंगे। अब जब हम फिर साथ आ रहे हैं, तो हम कुछ और ज्यादा सच्चा, ज्यादा संवेदनशील और लंबे समय तक याद रहने वाला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें खुशी है कि अहान और अनीत हमारे साथ फिर जुड़ रहे हैं, क्योंकि जेन–जेड की सबसे पसंदीदा जोड़ी एक बार फिर मोहित सूरी की रोमांटिक दुनिया में नजर आएगी।"अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर यह यश राज फिल्म्स की फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाएगी और 2027 में दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है।

> "हमें खुशी है कि अहान और अनीत हमारे साथ फिर जुड़ रहे हैं, क्योंकि जेन-जेड की सबसे पसंदीदा जोड़ी एक बार फिर मोहित सूरी की रोमांटिक दुनिया में नजर आएगी।

## सोशल मीडिया पर छाया रकुलप्रीत का ट्रेडिशनल लुक

जानी–मानी अभिनेत्रियों में एक रकुलप्रीत सिंह नई–नई अदाओं से अपने फैंस को मोहित करती रहती हैं। इस बार की तमबमदज फोटोज में रकुलप्रीत सिंह पूरे पंजाबी लुक में नजर आई हैं। इनकी ये खूबसूरती को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया है। इन फोटोज में राकुलप्रीत ने पर्पल कलर का शरारा सूट पहना है। रकुल की ड्रेस पूरी ट्रेडिशनल लुक दे रही है। कुर्ते पर सुनहरी जरी और गोटा–पत्ती का बेहद बारीक काम किया गया है। पर्पल सूट के साथ उन्होंने मैचिंग कलर का दुपट्टा भी लिया है। छोटी बूटियों का डिजाइन पूरा विंटेज लुक दे रहा है। वहीं अगर ज्वेलरी की बात की जाए तो उन्होंने भारी झुमके पहने हुए हैं। झुमका तो लड़कियों के वैसे ही बहुत स्पेशल होता है, ये झुमके रकुल की खूबसूरती को चार चांद लगा रहे हैं। पैरों में पहनी गई पारंपरिक पंजाबी जूती उनके लुक को पूरा देसी अंदाज दे रही है। अगर हेयरस्टाइल को देखा जाए तो उन्होंने आगे से ठतंपके बनाकर बालों को खुला छोड़ा हुआ है। ट्रेडिशनल के साथ यह लुक उनको पूरा मॉडर्न लुक दे रहा है। उन्होंने ड्यूई बेस मेकअप के साथ अपनी आंखों को ड्रंरंस और न्यूड आईशैडो से हाइलाइट किया है। हर फोटो में उनकी सादगी और मुस्कान उनकी खूबसूरती को और भाई ज्यादा बढ़ा रही है।

## तलाक के एक महीने बाद हंसिका मोटवानी ने तोड़ी चुप्पी, कहा-अगर आप गलत ट्रेन में चढ़ गए हैं तो

हाल ही में खबरें आईं कि अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। लगभग एक महीने के बाद अभिनेत्री ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। 11 मार्च को मुंबई के बांद्रा में एक फैमिली कोर्ट ने दोनों की आपसी सहमति से तलाक दे दी। इस अलगाव ने लोगों का काफी ध्यान खींचा। हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत में हंसिका ने कहा लोगों को सनसनी चाहिए थी, उन्हें मिल गई। उन्हें सुर्खियां चाहिए थीं, उन्हें मिल गईं। मैंने कभी इस पर सफाई नहीं दी, न ही दूंगी क्योंकि मेरे लिए यह कोई मायने नहीं रखता। यह ठीक है। मुझे कोई पछतावा नहीं है। अगर आप गलत ट्रेन में चढ़ गए हैं, तो उसमें परेशान होने से बेहतर है कि आप उससे उतर जाएं। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैसले से संतुष्ट महसूस करती हैं और अब वह भावनात्मक रूप से बेहतर स्थिति में हैं। हंसिका ने बताया कि उनके सबसे मुश्किल दौर में उनके परिवार ने उनका पूरी तरह से साथ दिया। उन्होंने बताया कि उनकी मां और भाई ने बिना किसी शर्त उनका साथ दिया। उन्होंने हंसिका को एक बहुत ही मुश्किल दौर से गुजरते देखा था, जो उनकी आमतौर पर खुशमिजाज स्वभाव को देखते हुए काफी चिंताजनक लग रहा था। चीजों को निजी रखने के अपने फैसले को दोहराते हुए, उन्होंने कहा कि आखिर क्या गलत हुआ, इसकी जानकारी सिर्फ हम दोनों को ही है। उन्हें लगता है कि कुछ मामले सिर्फ उनसे जुड़े लोगों के बीच ही रहने चाहिए।

# जुनैद खान और साई पल्लवी की जोड़ी ने जीता दिल, ट्रेलर देख फैंस ने की दिल खोलकर तारीफ



आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है। एक दिन का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया (टीजीए) की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहाँ यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है। घ्ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतजार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

# 54 की तब्बू ने फिर मारी बाजी, सादगी ने जीता दिल, फीका पड़ा वामिका का लुक





इन दिनों एक हर किसी की जुबान पर एक ही मूवी का नाम हैं वो हैं भूत बांग्ला। फिल्म 'भूत बंगला' की स्क्रीनिंग पर इस बार फैशन का भी जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। बात अगर करे फिल्म की हीरोइनों की तो भाई स्क्रीनिंग इवेंट में स्टाइलिश रूप हॉट दिवा बन कर सबकी नजरो में छा गई। हरी आंखों वाली वामिका गब्बी ने ब्लैक ब्यूटी बनकर एंट्री ली तो भाई फिर वहीं 54 साल की तब्बू का देसी लिबास में संस्कारी रूप देखने को मिला। जिसने सारी लाइमलाइट अपने नाम कर ली और ग्लैमर दिखाती वामिका का अंदाज भी उनके आगे फीका पड़ गया। दोनों ही एक्ट्रेसेस खूबसूरती से तैयार होकर पहुंचीं।

तब्बू का देसी अंदाज छा गया

तब्बू ने इस मौके पर ट्रेडिशनल लुक चुना, जो बेहद क्लासी और एलिगेंट लगा। उन्होंने ग्रीन और गोल्डन कॉम्बिनेशन वाला शॉर्ट कुर्ता पहना, जिसे घेरदार स्कर्ट के साथ पेयर किया। कुर्ते पर सुनहरी कढ़ाई और फ्लोरल डिजाइन उसे रिच लुक दे रहे थे। वहीं उनकी स्कर्ट भी काफी फ्लोई थी, जिस पर गोल्डन धागों से बारीक कढ़ाई की गई थी। इस पूरे आउटफिट ने उन्हें एक रॉयल और सादगी भरा लुक दिया। इसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा बहुत ग्रेसफुल तरीके से एक कंधे पर डाला, जिससे उनका अंदाज और भी निखर गया। उनकी स्टाइलिंग में एक खास बात यह रही कि उन्होंने ज्यादा एक्सेसरीज नहीं पहनीं। सिर्फ हल्के–फुल्के ईयररिंग्स, कंगन और रिंग के साथ उन्होंने "कम में ज्यादा" वाला स्टाइल अपनाया। लंबे बालों की चोटी और हल्का मेकअप उनके इस लुक को और खास बना गया।

वामिका का ग्लैमरस लुक भी कम नहीं था

वहीं वामिका गब्बी ने इस इवेंट के लिए ऑल ब्लैक लुक चुना। उन्होंने स्ट्रैपलेस ब्लैक सेक्विन गाउन पहना, जो बॉडी फिटिंग था और उनके कर्व्स को खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा था। गाउन का डिजाइन मरमेड स्टाइल में था और ऊपर की तरफ कॉर्सेट लुक दिया गया था। पूरे गाउन पर शिमरी सेक्विन वर्क था, जो लाइट में चमकते हुए उन्हें रेड कार्पेट जैसा ग्लैम लुक दे रहा था। वामिका ने अपने लुक को सिंपल रखने के लिए ज्यादा जूलरी नहीं पहनी। उन्होंने सिर्फ डायमंड इयररिंग्स और कुछ रिंग्स कैरी कीं। बालों को सॉफ्ट वेवी स्टाइल में खुला रखा और मेकअप भी हल्का और नेचुरल रखा, जिससे उनका ग्लैमरस अंदाज और निखरकर सामने आया।

फिर भी क्यों तब्बू पर टिक गई नजरें?

हालांकि वामिका का लुक काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस था, लेकिन तब्बू का देसी अंदाज ज्यादा दिल जीत गया। इसकी वजह उनका क्लासिक रंगों का चुनाव, सिंपल लेकिन रॉयल स्टाइल और आत्मविश्वास भरा अंदाज था। जहां ब्लैक गाउन रेड कार्पेट पर आमतौर पर देखा जाता है, वहीं तब्बू का ऐसा खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक कम ही देखने को मिलता है।

# गर्मियों में है कुछ मीठा खाने का मन तो ट्राई करें ठंडी-ठंडी रबड़ी केक, चाटते रह जाएंगे उंगलियां

रबड़ी का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आने लगता है। वहीं गर्मियों के मौसम में ठंडी मिठाई का तो स्वाद ही अलग होता है। ऐसे में हम आपके लिए लेकर आएं है टेस्टी रबड़ी केक की रेसिपी। इसे खाने से आपकी मीठे की क्रेविंग भी कम होगी और ठंडक भी मिलेगी...

मैदा
तेल
पिसी चीनी
दूध
बेकिंग पाउडर
बेकिंग सोडा
वेनिला एसेंस
रबड़ी बनाने के लिए सामग्री
दूध
चीनी
इलायची पाउडर

केसर
ड्राई फ्रूट्स
विधि

1. सबसे पहले एक मिक्सिंग बाउल में दही, तेल और वनीला एसेंस मिलालकर 2–3 मिनट तक लगातार फेंटे लें।
2. सभी सूखा सामग्री (मैदा, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, पाउडर चीनी) को छलनी में डालें और छानें।
3. अब इसे अच्छे से मिलाएं और एक केक मोल्ड में बैटर को ट्रांसफर करें।
4. ध्यान रखें, मोल्ड मं पहले थोड़ी चिकनाई लगा लें ताकि बैटर उसमें चिपके ना।
5. अब एक पैन लें और एक ग्लास पानी डालें।
6. पैन को कम आंच पर 10 मिनट के लिए पहले गरम करें।
7. फिर केक के सांचे को पैन में सेट करें और 40 मिनट के लिए धीमी आंच पर बेक करें।
8. 40 मिनट के बाद ढक्कन खोलें और एक टूथपिक द्वारा केक की जांच करं।
9. इसके अलावा इसे आप माइक्रोवेव में भी बेक कर सकते हैं।

रबड़ी के लिए

1.एक पैन में 1 लिटर दूध डालें और आधा होने तक पकाएं।
2. केसर वाला दूध, हरी इलायची पाउडर और चीनी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।
3. कुछ समय के लिए ढंक दें।
4. अब स्पंज को निकालकर उसपर टूथपिक की मदद से छेद करें।
5. इस पर रबड़ी का मिश्रण डालें, बादाम पिस्ता और गुलाब से गार्निश करें और फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दं।
6. तैयार है आपका टेस्टी रबड़ी केक।

# गर्मी में बर्दाश्त से बाहर हो जाता है सिर दर्द ? तो माइग्रेन है इसका कारण

अगर आप माइग्रेन से परेशान हैं, या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसे यह समस्या है, तो आपने शायद यह गौर किया होगा कि गर्मियों के मौसम में यह समस्या और भी बढ़ जाती है। गर्मियों में माइग्रेन आपके दिमाग की गर्मी के प्रति शारीरिक प्रतिक्रिया के कारण होता है, जिसमें दिमाग की बढ़ी हुई संवेदनशीलता बढ़ते तापमान पर प्रतिक्रिया करती है। जिन लोगों का दिमाग माइग्रेन के प्रति ज्यादा संवेदनशील होता है, वे पर्यावरणीय बदलावों से ज्यादा प्रभावित होते हैं। आइए जानते हैं गर्मी में माइग्रेन बढ़ने के कारण और उनसे प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों के बारे में।

गर्मी और डिहाइड्रेशन

गर्मियों में जैसे–जैसे तापमान बढ़ता है, हमारे शरीर से पसीने के जरिए तरल पदार्थ तेजी से कम होने लगते हैं। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) सिरदर्द के मुख्य कारणों में से एक है, और यह गर्मियों के महीनों में ज्यादा आम होता है, जब हम अक्सर पानी पीने पर उतना ध्यान नहीं देते। डिहाइड्रेशन के कारण दिमाग तक खून का बहाव कम हो जाता है, जिससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं और दर्द होने लगता है। अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए पूरे दिन खूब पानी पिएं। याद रखें कि प्यास लगना हमेशा डिहाइड्रेशन का संकेत नहीं होता, इसलिए प्यास लगने से पहले ही पानी पीने की कोशिश करें।

धूप और माइग्रेन

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या होती है, उनके लिए तेज धूप एक बड़ा कारण बन सकती है। लंबे समय तक सीधे धूप में रहने से आंखों पर जोर पड़ सकता है, शरीर की जैविक घड़ी बिगड़ सकती है और माइग्रेन का दौरा पड़ सकता है। सूरज की चमक या यूवी किरणों की तीव्रता के कारण संवेदनशीलता बढ़ सकती है, जिससे तेज सिरदर्द की समस्या हो सकती है। यूवी सुरक्षा वाले धूप के चश्मे और चौड़ी किनारी वाली टोपी पहनकर अपनी आंखों को सुरक्षित रखें। अगर आप रोशनी के प्रति संवेदनशील हैं, तो जहां तक हो सके छांव में रहें और दोपहर की तेज धूप में सीधे बाहर निकलने से बचें।

टेम्परेचर में उतार–चढ़ाव और साइनस प्रेशर

दुनिया के कई हिस्सों में, गर्मियों में टेम्परेचर में बड़े बदलाव आते हैं। ये उतार–चढ़ाव आपके साइनस पर असर डाल सकते हैं, जिससे कंजेशन हो सकता है और साइनस से सिरदर्द हो सकता है। गर्म, नमी वाला मौसम साइनस को प्रेशर में बदलाव के लिए ज्यादा सेंसिटिव बना सकता है, जबकि एयर कंडीशनिंग सांस की नली को सूखा सकती है और परेशानी बढ़ा सकती है। हवा में नमी बनाए रखने और साइनस की जलन कम करने के लिए एयर–कंडीशन्ड कमरों में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें। आप प्रेशर कम करने के लिए सलाइन नेजल स्प्रे या गर्म सिकाई के बारे में भी सोच सकते हैं।

डाइट और कैफीन लेने में बदलाव

गर्मियों में, लोग अक्सर बारबेक्यू या बीच पर घूमने जैसी बाहरी एक्टिविटीज में शामिल होते हैं, जहाँ खाने–पीने की चीजें बहुत होती हैं। हालांकि, डाइट में अचानक बदलाव या शराब और कैफीन का ज्यादा इस्तेमाल सिरदर्द का कारण बन सकता है। शराब, खासकर गर्मी में, डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती है, जबकि ज्यादा कैफीन लेने पर कम पीने पर विड्रॉल सिरदर्द हो सकता है। बैलेंस्ड डाइट रखने की कोशिश करें और ज्यादा शराब और कैफीन लेने से बचें। ध्यान रखें कि ये बदलाव आप पर कैसे असर डाल सकते हैं, और जरूरत के हिसाब से अपने रूटीन में बदलाव करें।

फिजिकल एक्टिविटी और ज्यादा थकान

दिन के ज्यादा घंटे और बाहर एक्टिव रहने के ज्यादा मौकों की वजह से, कई लोग गर्मियों के महीनों में ज्यादा थकाने लगते हैं। चाहे वह हाइकिंग हो, दौड़ना हो, या स्पोर्ट्स, गर्म मौसम में फिजिकल एक्टिविटी से टेंशन वाला सिरदर्द या गर्मी से होने वाला सिरदर्द हो सकता है। ज्यादा गर्मी और पसीना आपके शरीर पर ज्यादा दबाव डाल सकता है और सिरदर्द के लक्षण पैदा कर सकता है। ऐसे में अपनी रफ्तार बनाए रखें और ज्यादा थकान से बचने के लिए बीच–बीच में ब्रेक लें। रेगुलर पानी पिएं, हल्के कपड़े पहनें, और दिन के सबसे गर्म समय में ज्यादा मेहनत वाली एक्टिविटी से बचें। हालांकि गर्मियों में होने वाला सिरदर्द एक आम परेशानी हो सकती है, लेकिन अपनी लाइफस्टाइल पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देकर इसे अक्सर रोका जा सकता है। हाइड्रेटेड रहें, अपनी आंखों को धूप से बचाएं, और एलर्जी और नींद में रुकावट का ध्यान रखें। अगर सिरदर्द बना रहता है या बिगड़ जाता है, तो किसी मेडिकल प्रोफेशनल से सलाह लेना हमेशा अच्छा होता है। लोकमान्य हॉस्पिटल में, हम सिरदर्द मैनेजमेंट और इलाज के लिए पूरी देखभाल देते हैं। हमारे अनुभवी डॉक्टर आपको असली वजह पहचानने में मदद कर सकते हैं।

# हेल्दी समझकर पी रहे हैं दूध, इस लाइलाज बीमारी का बढ़ सकता है खतरा

हमेशा हम सुनते आए दादी नानी से की अगर तंदरुस्त रहना हैं तो दूध पीओ लेकिन क्या अपने कभी सोचा हैं की दूध पीने से हमे खतरनाक बीमारी हो सकती हैं। जी हां एक स्टडी में यह देखा गया है कि डेयरी प्रोडक्ट्स, खासकर ज्यादा मात्रा में दूध पीने वाले लोगों में पार्किंसन का खतरा थोड़ा बढ़ सकता हैं। चलिए यह बीमारी हैं क्या इसके लक्षण क्या हैं और इससे कैसे बचा जा सकता हैं जानते हैं इस आर्टिकल में।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

डॉक्टरों और शोधकर्ताओं के मुताबिक, कुछ स्टडीज में यह देखा गया है कि ज्यादा मात्रा में डेयरी प्रोडक्ट्स, खासकर दूध का सेवन करने वाले लोगों में पार्किंसन बीमारी का जोखिम थोड़ा बढ़ा हुआ पाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सीधा कारण नहीं है, बल्कि एक संभावित संबंध हो सकता है। कुछ रिपोर्ट्स में पुरुषों में यह जोखिम लगभग 20 से 40 प्रतिशत तक ज्यादा देखा गया है, लेकिन अभी इस पर पूरी तरह पक्की पुष्टि नहीं है।

रिसर्च में क्या सामने आया?

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़ी बड़ी और लंबी स्टडीज में हजारों लोगों की डाइट को कई सालों तक ट्रैक किया गया। इसमें पाया गया कि जो लोग रोजाना तीन या उससे ज्यादा लो–फैट डेयरी सर्विंग लेते थे, उनमें पार्किंसन का खतरा थोड़ा अधिक था, तुलना में उन लोगों के जो कम डेयरी लेते थे। एक अन्य रिसर्च में भी यह पैटर्न सामने आया कि डेयरी का ज्यादा सेवन करने वाले पुरुषों में जोखिम करीब 1.8 गुना और महिलाओं में लगभग 1.3 गुना तक बढ़ा हुआ देखा गया।

दूध और पार्किंसन के बीच क्या हो सकता है कनेक्शन?

वैज्ञानिक अभी इस संबंध को पूरी तरह समझने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ थ्योरी के अनुसार दूध में मौजूद कीटनाशकों के अंश जैसे हेप्टाक्लोर एपॉक्साइड दिमाग पर असर डाल सकते हैं। इसके अलावा दूध में मौजूद कुछ शुगर कंपाउंड (गैलेक्टोज) भी अधिक मात्रा में नुकसान पहुंचा सकता है। एक और विचार यह है कि डेयरी प्रोडक्ट्स हमारे गट माइक्रोबायोम को प्रभावित कर सकते हैं, जिसका असर धीरे–धीरे दिमाग की सेहत पर पड़ सकता है।

क्या दूध छोड़ देना चाहिए?

विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि इसका मतलब यह नहीं है कि दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स पूरी तरह बंद कर दिए जाएं। दूध पोषण का अच्छा स्रोत है और इसमें कैल्शियम, प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। बस जरूरत इस बात की है कि इसका सेवन सीमित मात्रा में किया जाए और किसी भी चीज की अति से बचा जाए।

पार्किंसन बीमारी के लक्षण क्या हैं?

यह बीमारी धीरे–धीरे बढ़ती है और इसके शुरुआती लक्षणों में हाथों का कांपना, शरीर में अकड़न, चलने–फिरने में धीमापन और संतुलन बिगड़ना शामिल हो सकता है। कुछ लोगों में शुरुआत में कब्ज, गंध महसूस करने की क्षमता कम होना, नींद की समस्या और मूड में बदलाव जैसे संकेत भी दिख सकते हैं। फिलहाल रिसर्च यह संकेत देती है कि बहुत ज्यादा डेयरी सेवन और पार्किंसन के बीच एक हल्का संबंध हो सकता है, लेकिन यह पूरी तरह साबित नहीं है। इसलिए डरने की बजाय संतुलित डाइट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सबसे बेहतर तरीका माना जाता है। किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या या बदलाव के लिए डॉक्टर की सलाह लेना हमेशा जरूरी है।

# मिठास दोगुनी कर देगी खोया कुल्फी, इस रेसिपी के साथ बढ़ाएं त्योहार का मजा

गर्मियों के मौसम में यह एक परफेक्ट डिजर्ट के साथ–साथ मेहमानों के मुंह में लजीज स्वाद घोल देगी। खोया, इलायची, ड्राई फ्रूट्स जैसी चीजों के साथ तैयार कुल्फी का मजा ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

दूध – 2 लीटर
खोया – 2 कप
चीनी – 1/2 कप
इलायची पाउडर – 2 चम्मच
बादाम – 3 चम्मच
पिस्ता – 2 चम्मच (कटे हुए बारीक टुकड़ों में)

बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक पैन में दूध डालकर अच्छे से उबाल दें।
2. जैसे दूध में उबाल आ जाए तो गैस धीमी कर दें।
3. दूध को तबतक पकाएं जब तक यह आधा न रह जाए।
4. फिर इसमें खोया, इलायची पाउडर, चीनी और पिस्ता बादाम के टुकड़े डालकर मिक्स कर लें।
5. सारी चीजों को अच्छे से उबाल होने तक पकाएं।
6. फिर 10 मिनट बाद जैसे दूध गाढ़ा होने लगे तो गैस बंद कर दें।
7. तैयार किए गए दूध को अच्छे से ठंडा होने के लिए रख दें।
8. इसके बाद जैसे मिश्रण ठंडा हो जाए तो कुल्फी वाले सांचे में डालकर रातभर के लिए जमने के लिए रख दें।
9. इस बात का ध्यान रखें कि कुल्फी को जमने के लिए 8 घंटे तक समय भी लग सकता है।
10. मिश्रण जब ठंडा हो जाएं तो इसे कुल्फी वाले सांच में डालकर रातभर के लिए जमने को रख दें।
11. अगले दिन खाने से पहले कुल्फी को थोड़ी देर के लिए फ्रिज के बाहर निकाल कर रखें।
12. अब पानी भरे किसी बर्तन में सांचा डालें और कुल्फी को धीरे–धीरे निकाल लें।

13. आपकी लजीज कुल्फी बनकर तैयार है। लंच या डिनर के बाद डेजर्ट के तौर पर आप इसे सर्व कर सकते हैं।

## संक्षिप्त

### क्या ज्यादा गंभीर है रोहित शर्मा की चोट? कोच जयवर्धने ने दिया अपडेटय हार्दिक पर कही ये बात

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहला मैच जीतने के बाद टीम को लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम के लिए चिंता की बात यह भी है कि उसके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं और वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। पंजाब के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हुआ था। इस मैच में हिटमैन दूसरी पारी के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते नजर आए थे और रन–चेज के छठे ओवर में ही उन्हें चोट के कारण अपनी पारी बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया था कि पंजाब के खिलाफ रोहित को आराम दिया गया है। उनकी वापसी फिलहाल निश्चित नहीं है। हार्दिक ने कहा था, उन्हें यह देखने में कुछ मैच लगेंगे कि वह फिलहाल किस स्थिति में हैं। अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी रोहित की फिटनेस पर अपडेट दिया है। मुख्य कोच ने कहा कि रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है और टीम प्रबंधन उन्हें ज्यादा दबाव में नहीं रखना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट अभी शुरुआती दौर में है। जयवर्धने ने कहा, रोहित ने बुधवार से दौड़ना शुरू कर दिया है, बल्लेबाजी भी की है। हम हर दिन उनकी प्रगति का आकलन कर रहे हैं। उनकी चोट गंभीर नहीं है लेकिन साथ ही, हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते और अभी सत्र की शुरुआत है। जयवर्धने ने इस बात को नकार दिया की टीम की लगातार चौथी हार से कप्तान हार्दिक पांड्या दबाव में हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती, बल्कि यह पता करना मेरी और टीम प्रबंधन में शामिल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

### लगातार चौथी हार से हताश हुए कप्तान हार्दिक, पंजाब को दिया जीत का श्रेय, बोले- कहने के लिए कुछ नहीं

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ सात विकेट की हार के बाद विरोधी टीम को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि उनके पास अपने खराब प्रदर्शन पर कहने के लिए अधिक कुछ नहीं है और उन्हें बैठकर देखना होगा कि खामियां कहां हैं। मुंबई की मौजूदा सीजन में यह लगातार चौथी हार है और टीम अंक तालिका में दो अंक लेकर नौवें स्थान पर मौजूद है। पंजाब किंग्स की टीम

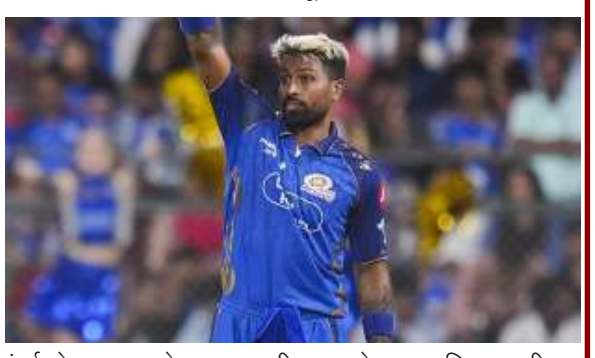

मुंबई के 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन की 39 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी और कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। इससे पहले मौजूदा सत्र में अपना पहला मैच खेलने वाले क्विंटन डिकॉक ने 60 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा नमन धीर (50 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की जिससे मुंबई इंडियंस ने छह विकेट पर 195 रन बनाए। ये दोनों उस समय साथ आए जब टीम 12 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पांड्या ने मैच के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे पास कहने के लिए अधिक कुछ नहीं है। हमें बैठकर विचार करने की जरूरत है कि हम कहां पिछड़ रहे हैं, चाहे वह व्यक्तिगत खिलाड़ी हों, टीम हो, या हमारी योजना और काम करने का तरीका हो। इसे ठीक करना होगा। पांड्या ने पंजाब किंग्स को जीत का श्रेय देते हुए कहा, पंजाब किंग्स को इसका श्रेय जाता है। गेंद रिवर्स स्विंग करने लगी थी। दूसरी पारी में ओस भी गिरी। उन्होंने हमें हरा दिया। उनकी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण हमारे से बेहतर था। अब हमें यह देखना होगा कि क्या हमें कुछ कड़े फैसले लेने की जरूरत है या फिर हमें इसी तरह आगे बढ़ते हुए हालात को पलटने की कोशिश करनी चाहिए। हमें अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी होगी।

### एसएंडपी का दावा : महंगा तेल नहीं रोक पाएगा रफ्तार, 6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा है कि अगर चालू वित्त वर्ष 2026–27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती है, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था 6.3 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। एजेंसी के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के आधार स्तर पर रहती है, तो भारत की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान है। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज रफ्तार होगी। एसएंडपी के निदेशक (संप्रभु एवं अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त रेटिंग) यी फर्न फुआ ने कहा, दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा बहुत मजबूत है। इस संकट काल में भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहना एक मजबूत संकेत है जो अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। हालांकि, एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा या ईंधन की कमी जैसी स्थितियां जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, क्रूड की ऊंची कीमतों से चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। कंपनियों की लागत बढ़ने से मुनाफा प्रभावित हो सकता है। इसके साथ ही महंगाई बढ़ने से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर भी दबाव पड़ सकता है।

# अजेय चल रही पंजाब किंग्स का अंक तालिका में दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब के पांच मैचों में नौ अंक हो गए हैं।

मुंबई ने क्विंटन डिकॉक की नाबाद 60 गेंदों पर सात छक्कों और आठचौकों की मदद से खेली नाबाद 112 रन की पारी की बदौलत छह विकेट पर 195 रन बनाए थे। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के 39 गेंदों पर नाबाद 80 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 35 गेंदों पर बनाए 66 रनों की मदद से 16.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाकर मैच सात विकेट से जीत लिया। आइए देखते हैं कि मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स मैच के बाद अंक तालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर मौजूद है...

पांच टीमों के एक समान अंक

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार–चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

| स्थान | टीम | मैच | जीत | हार | बेनतीजा | अंक | NRR |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पंजाब | 5 | 4 | 0 | 1 | 9 | +1.067 |
| 2 | आरसीबी | 5 | 4 | 1 | 0 | 8 | +1.503 |
| 3 | राजस्थान | 5 | 4 | 1 | 0 | 8 | +0.889 |
| 4 | हैदराबाद | 5 | 2 | 3 | 0 | 4 | +0.576 |
| 5 | दिल्ली | 4 | 2 | 2 | 0 | 4 | +0.322 |
| 6 | गुजरात | 4 | 2 | 2 | 0 | 4 | -0.029 |
| 7 | लखनऊ | 5 | 2 | 3 | 0 | 4 | -0.804 |
| 8 | सीएसके | 5 | 2 | 3 | 0 | 4 | -0.846 |
| 9 | मुंबई | 5 | 1 | 4 | 0 | 2 | -1.076 |
| 10 | केकेआर | 5 | 0 | 4 | 1 | 1 | -1.383 |

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशरू आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ऑरेंज कैप विराट कोहली के पास ही है। आरसीबी के कोहली ने पांच मैचों में 228 रन बनाए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिच क्लासेन हैं जिन्होंने पांच मैचों में 224 रन बनाए हैं। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के पास पर्पल कैप बरकरार है। प्रसिद्ध ने चार मैचों में 10 विकेट लिए हैं। सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम भी इतने ही विकेट हैं, लेकिन प्रसिद्ध की इकॉनोमी कंबोज से बेहतर है जिस कारण वह शीर्ष पर हैं।

# धीमी गेंदों को अपना हथियार बना रहे गेंदबाज, पावरप्ले में अधिक रन बनाने पर ध्यान, अब तक दिखा ये ट्रेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का पहला चरण शुरू हुए अब समय हो गया है और दो टीमों को छोड़कर अन्य टीमों ने पांच–पांच मुकाबले खेल लिए हैं। लीग चरण में 70 मैच खेले जाने हैं और टूर्नामेंट काफी लंबा है। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें हर पल मैच का रुख बदलता रहता है। आईपीएल 2026 में अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और टीमों की रणनीति भी स्पष्ट नजर आ रही है।

| सीजन | धीमी गेंद | विकेट | इकोनॉमी |
|---|---|---|---|
| 2023 | 14.7% | 29 | 9.5 |
| 2024 | 22.4% | 51 | 10.0 |
| 2025 | 22.9% | 37 | 9.5 |
| 2026 | 25.6% | 37 | 10.5 |

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशरू आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ये तीन टीमें दिख रहीं मजबूत

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार–चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सीजन के पहले 25 मैचों में दिखा है ये रुझान

अब तक खेले गए मैचों में जो ट्रेंड सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि टीमों का ध्यान पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है तो धीमी पिचों पर गेंदबाजों ने धीमी गेंद को ही अपना हथियार बनाया है।

पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन की रणनीति ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं।

मध्य ओवरों में भी टीमें अब पावरप्ले की तरह ही धुआंधार खेल रही हैं।

पहले चरण में टीमों के 200 स्कोर बनाने के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।

तेज गेंदबाज पेस–ऑफ बॉल्स (धीमी गेंद) का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं।

रन बनाने की तेजी में 7 से 10 ओवरों के बीच ज्यादा विकेट गिर रहे हैं।




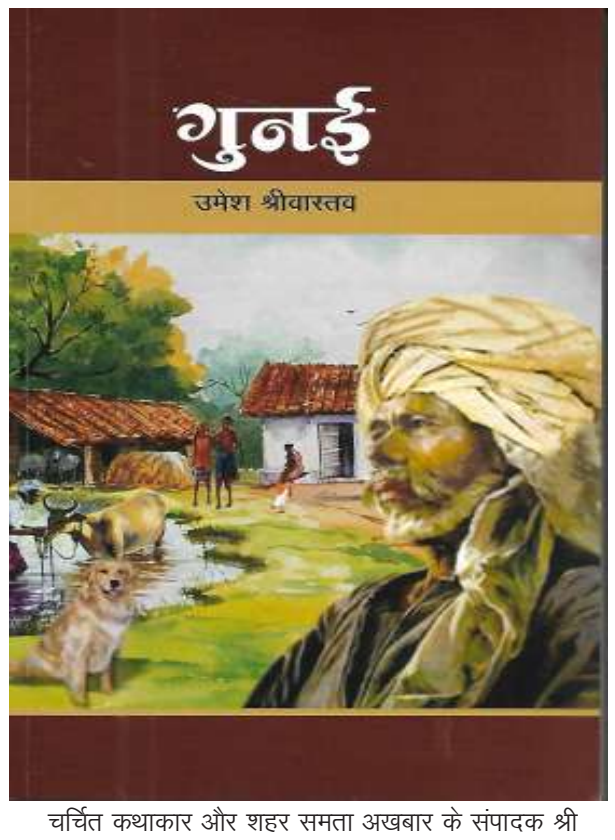


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

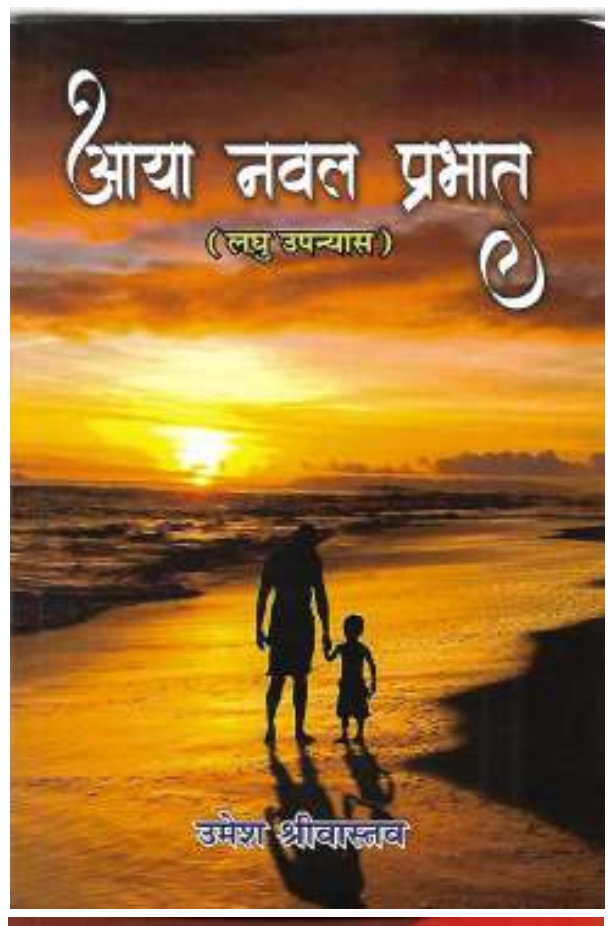


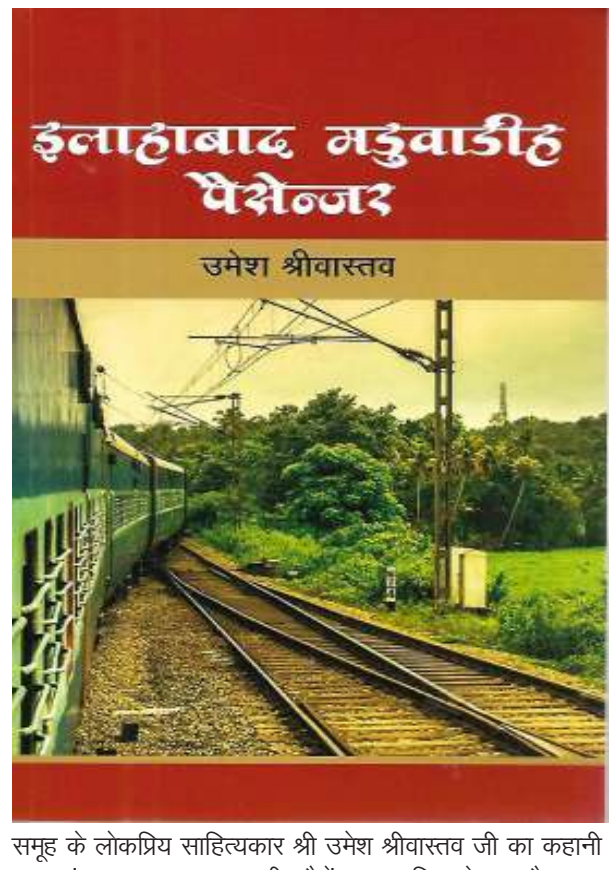


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

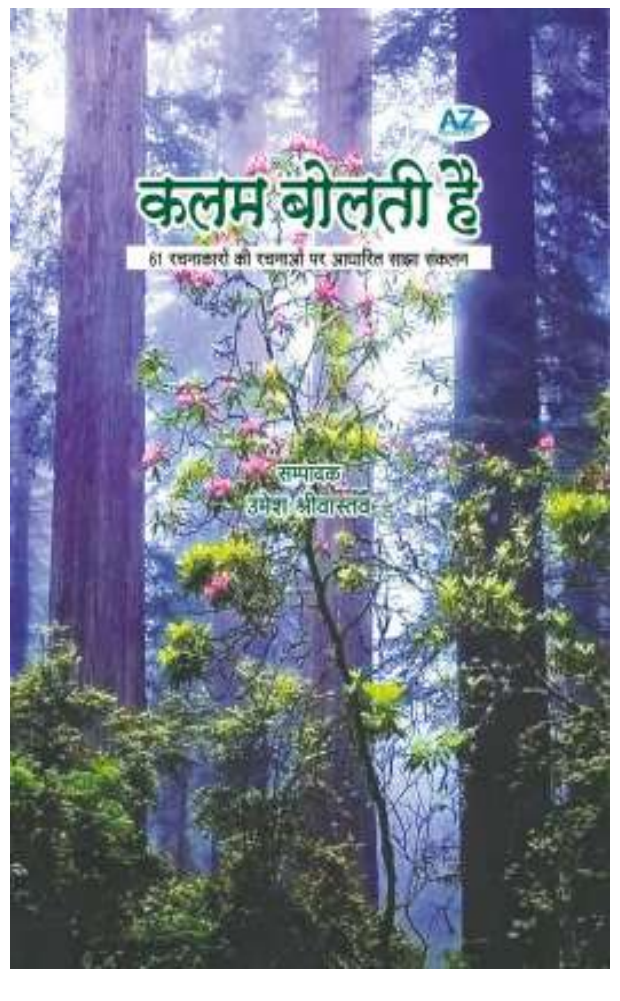


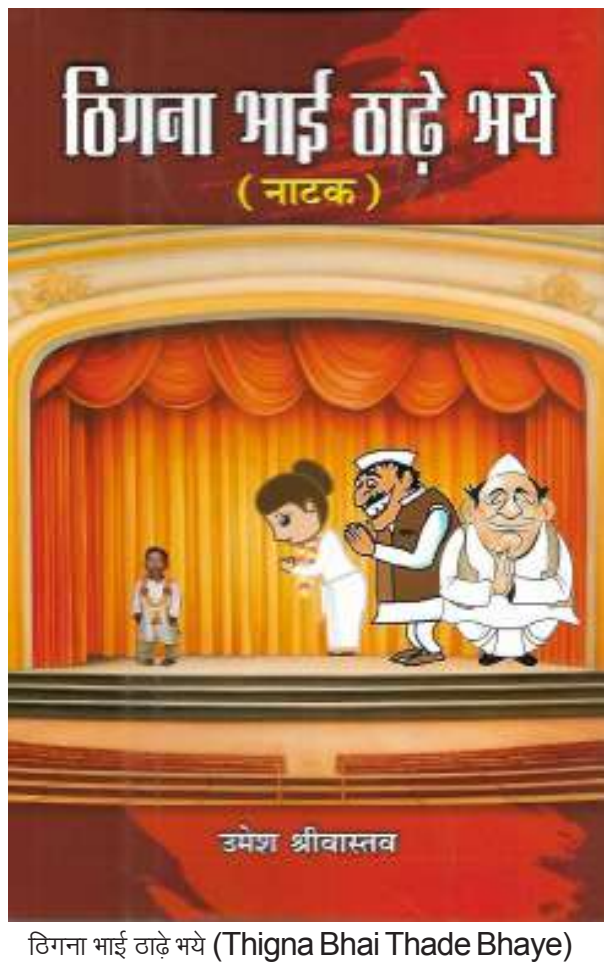


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर हेलीकॉप्टर क्रैश, आठ की मौत, राहत-बचाव कार्य जारी

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पाम ऑयल के बागानों के बीच उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में

हेलीकॉप्टर में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। यह हेलीकॉप्टर शपीटी मैथ्यू एयर नुसंताराश कंपनी का था और इसका मॉडल एयरबस भ130 था। गुरुवार को इसने पश्चिमी कालीमंतन प्रांत के मेल्वी जिले से उड़ान भरी थी। इसे कुबू राया जिले में स्थित एक दूसरे पाम ऑयल बागान तक जाना था। लेकिन उड़ान भरने के महज पांच मिनट बाद ही हेलीकॉप्टर का कंट्रोल रूम से संपर्क टूट गया। हादसे खबर मिलते ही खोज अभियान शुरू किया गया। नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी और परिवहन मंत्रालय ने बताया कि हेलीकॉप्टर का मलबा सेकादौ जिले के घने जंगलों में मिला है। बचाव दल ने वहां से दो क्रू सदस्यों और छह यात्रियों के शव बरामद किए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति मलेशिया का नागरिक था। इंडोनेशिया लगभग 27 करोड़ की आबादी वाला देश है। यह देश अक्सर विमान, हेलीकॉप्टर और नाव डूबने सहित ट्रांसपोर्टेशन दुर्घटनाओं से परेशान रहा है। परिवहन सुरक्षा को लेकर यहां पहले भी कई सवाल उठते रहे हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन इस हादसे की जांच कर रहे हैं।

### व्यापारिक जहाजों पर हमला बिल्कुल बर्दाश्त नहीं, होर्मुज तनाव पर यूएन में भारत की दो-टूक

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच समुद्री रास्तों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भारत ने गंभीर चिंता जताई और कहा कि यहां से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को निशाना

बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पी. ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहस के दौरान कहा कि यह समुद्री मार्ग भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि देश की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस इलाके में व्यापारिक जहाजों पर सैन्य हमले चिंताजनक हैं और इससे न सिर्फ वैश्विक व्यापार प्रभावित होता है बल्कि आम नागरिकों की जान भी खतरे में पड़ती है। भारत ने इस बात पर भी दुख जताया कि इस संघर्ष में भारतीय नाविकों की जान गई है। हरिश पी. ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद दुखद है और ऐसे हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि समुद्र में चलने वाले नागरिक जहाजों और उनके कर्मचारियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। भारत ने सभी देशों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें और इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही को जल्द से जल्द बहाल करें। साथ ही, भारत ने यह भी कहा कि मौजूदा तनाव को कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति ही सबसे सही रास्ता है। इस पूरे मुद्दे पर भारत का रुख साफ है, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए, और किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई से बचना चाहिए। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की है, ताकि खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे और वैश्विक व्यापार प्रभावित न हो।

### ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया दोस्त, तरनजीत संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल बनने पर दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोन पर बात की। पीएम मोदी ने साथ अपनी बातचीत को ट्रंप ने बहुत अच्छा बताया है। ट्रंप ने मोदी को अपना एक अच्छा दोस्त कहा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रंप ने यह बात वॉशिंगटन में पत्रकारों से कही। वह उस समय लास वेगास में एक बैठक के लिए जा रहे थे। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर चर्चा की। वहां अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध चल रहा है। हालांकि, सात अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच दो हफ्ते के लिए युद्ध विराम हुआ था। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश छोड़ दे। इस युद्ध की वजह से तेल–गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता का दूसरा दौर, पाकिस्तान में तैयारी, जंग खत्म करने की होगी कोशिश?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अगले हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की महत्वपूर्ण शांति

वार्ता की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करना है। इस युद्ध ने दुनिया भर में ऊर्जा की आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है।

पिछले हफ्ते हुई पहली सीधी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। हालांकि, दोनों पक्ष अभी दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम का पालन कर रहे हैं। यह युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होगा। पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठाकर दोनों देशों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है।

अधिकारिक ने सूत्रों ने शुक्रवार को कहा, दोनों पक्षों को बातचीत की टेबल पर वापस लाने के लिए तेजी से डिप्लोमैटिक काम हुआ। इस शांति प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर काफी सक्रिय हैं। पर्दे के पीछे काम करने के बाद, प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब, कतर और तुर्की के नेताओं से बातचीत की है। वहीं, फील्ड मार्शल मुनीर ने तेहरान में ईरान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के साथ मुलाकात की। हालांकि, बातचीत के नतीजे के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

इस्लामाबाद के अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा के लिहाज से इस्लामाबाद और रावलपिंडी में भारी इंतजाम किए जा रहे हैं। दूसरे प्रांतों से हजारों पुलिस और अर्धसैनिक बलों को बुलाया गया है। पहले दौर की बातचीत में 10,000 से ज्यादा जवान तैनात रहे थे। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि अगले हफ्ते यातायात पर कड़ी पाबंदियां रहेंगी। जरूरत पड़ने पर स्कूल और बाजार भी बंद किए जा सकते हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर असहमति की वजह से पिछला समझौता नहीं हो पाया। दूसरी तरफ, ईरान के प्रतिनिधि ा मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि उनकी टीम ने आगे की पहल की, लेकिन दूसरी तरफ की पार्टी इस बातचीत के दौर में ईरानी डेलीगेशन का भरोसा जीतने में नाकाम रही।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद में अंतिम समझौता होता है, तो वह वहां जा सकते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान चल रही बातचीत की लगभग सभी शर्तों को मान चुका है। इस दौरान ट्रंप ने उन्होंने पाकिस्तानी नेतृत्व की भी तारीफ की। यह पूरा विवाद 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुआ था।

# फिलीपींस में 2026 की अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध उग्रवादियों को ढेर

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में इस साल की अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मुस्लिम उग्रवादियों को मार गिराया। यह कार्रवाई शुक्रवार को देश के दक्षिणी हिस्से में हुई, जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा होती रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सेना और पुलिस एक गांव में एक उग्रवादी कमांडर को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। तभी श्दौलह इस्लामिया–माउतेश नाम के समूह से जुड़े संदिग्ध उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद करीब एक घंटे तक दोनों तरफ से गोलीबारी चली। इस ऑपरेशन में कमांडर अमेरोल मंगोरांका समेत कुल 10 उग्रवादी मारे

गए, जिनमें चार महिलाएं भी शामिल थीं। राहत की बात यह रही कि इस मुठभेड़ में किसी भी सरकारी जवान को नुकसान नहीं पहुंचा।

सेना के अधिकारियों का कहना है कि मंगोरांका और उसके साथी पहले भी कई हमलों में शामिल रहे थे। जनवरी में हुए एक घात लगाकर हमले में चार सैनिकों की मौत के पीछे भी इसी समूह का हाथ बताया गया था। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने मौके से चार राइफल, एक पिस्टल, एक ग्रेनेड और बम बनाने का सामान बरामद किया। इस दौरान एक शिशु भी घटनास्थल पर मिला, जिसे तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। हालांकि, उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

फिलीपींस के दक्षिणी इलाके में दशकों से मुस्लिअलगाववादी आंदोलन म चलता रहा है। हालांकि, साल 2014 में मोरो इस्लामिक लिबरेशन फ्रंट शांति समझौता के बाद हालात काफी हद तक सुधर गए थे। इस समझौते के तहत बड़े उग्रवादी समूह ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता अपनाया था। लेकिन कुछ छोटे गुट इस समझौते में शामिल नहीं हुए और अब भी समय–समय पर हमले करते रहते हैं।

सेना के एक वरिष्ठ अधि ाकारी ने कहा कि यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता है और इससे इलाके में शांति बहाल करने में मदद मिलेगी। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक सभी छोटे उग्रवादी समूह पूरी तरह खत्म नहीं होते, तब तक इस क्षेत्र में खतरा बना रहेगा।

# ट्रंप फिर दे सकते हैं कैमरन हैमिल्टन को FEMA की कमान, पहले कर चुके हैं बरर्खास्त, जानें पूरा मामला

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी नेवी सील कैमरन हैमिल्टन को फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (FEMA) का स्थायी प्रशासक नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं, जो कि एक चौकाने वाला घटनाक्रम है। क्योंकि पिछले साल ही ट्रंप प्रशासन ने उन्हें इस पद से हटा दिया था। हैमिल्टन पूर्व अमेरिकी नेवी सील रह चुके हैं।

हैमिल्टन पिछले साल जनवरी से मई तक फेमा के अंतरिम प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे। लेकिन उन्हें कैपिटल हिल में यह गवाही देने के एक दिन बाद उन्हें निकाल दिया गया कि वह उस ऑर्गनाइजेशन को खत्म करने के प्रपोजल से सहमत नहीं हैं। ट्रंप ने बार–बार इस एजेंसी को भंग करने का विचार रखा था। हैमिल्टन ने सदन की एक समिति के सामने साफ कहा था कि फेमा को खत्म करना अमेरिकी जनता के हित में नहीं होगा। इस बयान के अगले ही दिन उन्हें पद से हटा दिया गया था।

फेमा अमेरिका में आपदाओं के समय राहत कार्यों का तालमेल बिठाने वाली मुख्य एजेंसी है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अब तक इस एजेंसी का कोई स्थायी प्रमुख नहीं रहा है। फिलहाल यह एजेंसी अपने तीसरे अस्थायी नेता के भरोसे चल रही है। जानकारों का कहना है कि स्थायी नेतृत्व न होने से एजेंसी की कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ता है।

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार को हैमिल्टन को इस पद का प्रस्ताव दिया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने अभी इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। इस खबर की जानकारी सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी थी। हैमिल्टन की नियुक्ति से अब इस महत्वपूर्ण एजेंसी को एक स्थायी नेतृत्व मिलने की उम्मीद है।

# अमेरिकी नीति पर ट्रंप के बड़े बयान, ईरान से समझौते के लिए खुद जाएंगे पाक! पीएम मोदी पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। 40 दिनों से अधिक की जंग के बाद तनावपूर्ण शांति के बीच आई इस टिप्पणी को उनके यू–टर्न की तरह भी पेश किया जा रहा है।

इसके अलावा उन्होंने भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी टिप्पणी की। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना श्दोस्तश बताते हुए कहा, मोदी के साथ फोन पर उनकी बातचीत श्बहुत अच्छीश रही। पीएम मोदी ने भी ट्रंप के फोन कॉल की पुष्टि की थी।

गौरतलब है कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी दोनों नेताओं के बीच की बातचीत को सकारात्मक बताया। वहीं ट्रंप ने यह भी कहा है कि अगर ईरान के साथ समझौता हो जाता है तो वह समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और ईरान से इतर इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर भी बयान दिया। उन्होंने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में 10वां युद्ध रोकने में सफलता हासिल की है।

डोनरो सिद्धांत जुमले का इस्तेमाल ट्रंप की 2026 की विदेश नीति के संदर्भ में किया जाता है। इस धारा के तहत सरकार श्अमेरिका सबसे पहले और केवल अमेरिकाश जैसे रुख पर जोर देती है। डोनरो सिद्धांत पूर्व राष्ट्रपति के दौर में इस्तेमाल श्मोनरो सिद्धांतश से प्रेरित है। दरअसल, 1823 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने यूरोपीय उपनिवेशीकरण बंद करने का एलान किया था।

## यूएस की धमकी- समझौते पर ही हटेगी नाकाबंदी, ईरान बोला- हमारे हित सुरक्षित हों तभी छोड़ेंगे होर्मुज

वॉशिंगटन/तेहरान/बीजिंग। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी लंबे समय तक जारी रखने के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी स्टीफन मिलर ने कहा कि जरूरत पड़ने पर यह कार्रवाई अनिश्चितकाल तक जारी रह सकती है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि इस नाकेबंदी का असर ईरान की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है और अगर ईरान समझौते के लिए तैयार नहीं होता है तो अमेरिका इसे लंबे समय तक जारी रख सकता है। दूसरी ओर, ईरान ने इस नाकेबंदी पर कड़ा रुख अपनाया है। ईरान ने साफ कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को तब तक नहीं छोड़ेगा, जब तक उसके हित पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाते। ईरान के सुप्रीम लीडर के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा कि यह जलमार्ग ईरान के लिए बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है और वह अपने आर्थिक और समुद्री हितों की रक्षा के लिए इस पर नियंत्रण बनाए रखेगा। रेजाई ने यह भी कहा कि अगर ईरान की नौसेना कमजोर होती, तो अमेरिकी जहाज इस जलडमरूमध्य से गुजरने से नहीं बचते। उन्होंने कहा कि पिछले समझौतों से सबक लेते हुए अब नए समझौते ज्यादा सावधानी से और आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे। उनके अनुसार, अब बातचीत की शर्तें ईरान खुद तय करेगा। इस बीच चीन चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बातचीत में अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा की गारंटी भी मांगी। ईरान के आर्मी चीफ अमीर हतामी ने अमेरिकी नाकाबंदी पर कहा कि हमारा देश मजबूती के साथ खड़ा है। हतामी बोले–देश की रक्षा के लिए खुद को भी कुर्बान करने को तैयार हैं। उन्होंने अमेरिका और इस्राइल को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान को झुकाने का उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ईरान को घुटनों पर लाने की उनकी कोशिशें नाकाम रहेंगी। अमेरिका और इस्राइल का यह सपना कब्र तक जाएगा। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 13 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। अमेरिकी संसद में ईरान युद्ध रोकने वाला प्रस्ताव खारिज रू अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ युद्ध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से लाए गए प्रस्ताव को सदन ने बृहस्पतिवार को एक वोट से खारिज कर दिया। प्रस्ताव के विरोध में 214 और समर्थन में 213 वोट पड़े।

## डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को झटका, प्रतिनिधि सभा ने पारित किया हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा बिल

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को एक ऐसा विधेयक पारित किया, जिसमें दोनों प्रमुख दलों के सांसदों ने मिलकर वोट किया। यह विधेयक हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को बढ़ाने से जुड़ा है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के उस प्रयास के खिलाफ माना जा रहा है, जिसमें इस सुरक्षा कार्यक्रम को खत्म करने की कोशिश की जा रही थी। विधेयक को डेमोक्रेट सांसदों ने कुछ रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से आगे बढ़ाया। जबकि, रिपब्लिकन पार्टी का नेतृत्व इसका विरोध ा कर रहा था। इसमें ट्रंप प्रशासन से मांग की गई है कि हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को तीन साल के लिए बढ़ाया जाए। इससे अमेरिका में रह रहे लाखों योग्य प्रवासी देश से निकाले जाने (निर्वासन) के डर के बिना रह सकेंगे। मतदान में 224 सांसदों ने विधेयक के पक्ष में वोट किया और 204 सांसदों ने इसके खिलाफ वोट किया। सदन में तालियां भी बजीं। यह विधेयक अब सीनेट में जाएगा और यह भी संभावना है कि राष्ट्रपति इसे रोकने के लिए वीटो कर दें। डेमोक्रेट सांसद अयाना प्रेसली ने कहा, मैं जानती हूं कि हैती से आए हुए हमारे पड़ोसी हमारे समुदायों, हमारी संस्कृति, हमारे काम और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए कितने अहम हैं। उन्होंने बताया कि हैती के प्रवासी स्वास्थ्य सेवा, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे समस्या नहीं हैं, बल्कि समाधान का हिस्सा हैं। प्रेसली ने कहा कि हैती के लोगों को वापस भेजना उनके लिए श्मृत्युदंडश जैसा होगा, क्योंकि वहां प्राकृतिक आपदाएं और गिरोहों की हिंसा की गंभीर स्थिति है। यह विधेयक अमेरिका में रह रहे लगभग 3.5 लाख हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा है, जबकि प्रशासन कई समूहों का यह दर्जा खत्म करने की कोशिश कर रहा है। अगले दो हफ्तों में सुप्रीम कोर्ट भी एक मामले पर विचार करेगा, जो हैती और सीरिया के प्रवासियों की सुरक्षा समाप्त करने से जुड़ा है।

## लेबनान में 10 दिन का युद्ध विराम : नेतन्याहू बोले- शांति प्रयासों को आगे बढ़ाना मकसद, हिजबुल्ला ने क्या कहा?

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लेबनान में 10 दिन के युद्ध विराम पर सहमति दी है। एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने कहा, यह कदम लेबनान के साथ शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए उठाया गया है। इस हफ्ते इस्राइल और लेबनान ने वॉशिंगटन में सीधी बातचीत की है, जिसका मकसद शांति समझौता तैयार करना है। इस्राइल से पिछले छह हफ्तों से जंग लड़ रहे हिजबुल्ला ने इस बातचीत का विरोध किया है। नेतन्याहू ने कहा, हमारे पास लेबनान के साथ ऐतिहासिक शांति समझौता करने का अवसर है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।